दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 189
मुरादाबाद
(Thursday)
29 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

इन्वेस्टमेंट और इंडस्ट्री का हब बन रहा यूपीः वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनेगा; योगी सरकार ने बताया अपना विजन

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में निवेश, औद्योगिक विकास और निवेशकों के भरोसे को बढ़ाने के लिए नई कार्य संस्कृति विकसित हुई है। सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रस्तावित बैठक में निवेश की संभावनाओं, लंबित परियोजनाओं को गति देने और उत्पादन शुरू कराने पर चर्चा होगी।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश, नवाचार और उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास को लेकर बड़ा बदलाव आया है।

सीएम ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रदेशवासियों को सरकार की उपलब्धियों और निवेश को लेकर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। 2017 से पहले न स्पष्ट दृष्टि थी, न ठोस कार्ययोजना- सीएम योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेश आकर्षित करने के लिए न तो स्पष्ट दृष्टि थी और न ही कोई ठोस कार्ययोजना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदला है। सरकार ने रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र के साथ प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास की नई कार्यसंस्कृति विकसित की है।सीएम ने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी नीतियों और निवेश के अनुकूल माहौल के कारण उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। इसी विश्वास को और मजबूत करने के लिए बुधवार को सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक प्रस्तावित है। इसमें प्रदेश में निवेश की नई संभावनाओं, मौजूदा परियोजनाओं को गति देने और निवेश को धरातल पर उतारकर उत्पादन शुरू कराने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।सीएम ने आगे कहा कि सरकार का संकल्प है कि हर निवेश से नया उद्योग, हर उद्योग से नया रोजगार और हर रोजगार से परिवारों में खुशहाली आए। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। सरकार का जोर निवेश प्रस्तावों को वास्तविक औद्योगिक परियोजनाओं में बदलने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बरेली में करेंगे पदयात्रा, सात जिलों से जुटेंगे कार्यकर्ता

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बरेली में पदयात्रा करेंगे। एक नवंबर को होने वाली पदयात्रा में करीब 40 हजार कार्यकर्ता जुटने का दावा किया गया है। पार्टी पदाधिकारी इसकी तैयारियां में जुट गए हैं। उत्तर प्रदेश के सियासी रण में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने संगठनात्मक अभियान को धार देने के लिए बरेली से व्यापक जनसंपर्क का आगाज करने जा रही है। एक नवंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बरेली शहर में लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा का नेतृत्व करेंगे। इसमें प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित संगठन और सरकार के कई दिग्गज शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी इस कार्यक्रम में शामिल होने की प्रबल संभावना है। सात जिलों के कार्यकर्ता जुटेंगे - मतदाता सूची में गड़बड़ी के मुद्दे पर हमलावर विपक्ष के खिलाफ भाजपा यूपी में सड़क से अभियान की शुरुआत करेगी। संगठनात्मक रूप से सात जिलों के करीब 40 हजार कार्यकर्ता इकट्ठा होंगे। पदयात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष पूरन लाल लोधी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के बरेली आगमन को लेकर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दे दी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की एक नवंबर को प्रस्तावित पदयात्रा को लेकर भाजपा कार्यालय पर मंगलवार को बैठक हुई। इस दौरान पदयात्रा के लिए संभावित तीन मार्गों पर चर्चा की गई।

झांसी में तेज दौड़ी साइकिल, वाराणसी-आगरा में भी सपा की जीतःइन सीटों पर खिला कमल

उत्तर प्रदेश की 11 विधान परिषद सीटों के लिए मतगणना चल रही है। लखनऊ शिक्षक खंड में भाजपा के उमेश द्विवेदी लगातार तीसरी बार जीते गए हैं। यहां पर नंबर दो सपा के सुशील कुमार रहे। वाराणसी में सपा प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है, मेरठ में दोनों सीटों पर कमल खिला है। बरेली भी भाजपा का परचम रहा। आगरा में भी सपा प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है। झांसी-इलाहाबाद सीट पर भी सपा ने जीत दर्ज कर ली है। गोरखपुर समेत कई जगह मतगणना हो रही है। एमएलसी चुनाव में इलाहाबाद झांसी खण्ड स्नातक सीट पर सपा ने जीत दर्ज की है। सपा प्रत्याशी डॉ. मान सिंह यादव जीत का प्रमाण पत्र लेने मतगणना स्थल पहुंच गए हैं। उन्होंने 25 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी ने हार मानते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन के दूसरी वरीयता के मतगणना में भारतीय जनता पार्टी के ध्रुव त्रिपाठी 901 वोट से निर्दल प्रत्याशी राजीव यादव से आगे चल रहे हैं। 12 प्रत्याशी दौड़ से बाहर। अब मुकाबला मुख्य रूप से चार प्रमुख प्रत्याशियों के बीच रह गया है। गोरखपुर में मतगणना स्थल पर दूसरी वरीयता के मतों की एक टेबल पर गिनती हो रही थी। अब इसे तीन टेबल पर करने के लिए प्रक्रिया शुरू की गई है। ताकि मतगणना जल्द समाप्त हो जाए। इसके साथ ही मतगणना टेबल के पास से काफी संख्या में मौजूद प्रत्याशियों के कार्यकर्ताओं को हटा दिया गया है। अब सिर्फ एक-एक कार्यकर्ता रहेंगे।इलाहाबाद-झांसी

खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य के चुनाव की सातवें चक्र की मतगणना पूरी हो गई है। अब तक की गणना में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. मानसिंह यादव 44,897 मत पाकर भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर से 18,639 मतों से आगे चल रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर को अब तक 26,258 मत मिले हैं, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी शिवशंकर पटेल के खाते में 3,226 मत आए हैं। सात चक्रों में अब तक कुल 84,052 मतपत्रों की गणना की जा चुकी है। मतगणना के आंकड़ों के अनुसार सपा प्रत्याशी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी है।आगरा खंड शिक्षक एमएलसी चुनाव में रिटर्निंग ऑफिसर नगेंद्र प्रताप ने डॉ. आकाश अग्रवाल को सुबह 9=30 बजे जीत का प्रमाणपत्र प्रदान किया। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के मुताबिक प्रशासन ने अभी तक मतों के अधिकृत आंकड़े जारी नहीं किए हैं और प्रमाणपत्र मिलने के बाद प्रत्याशी को मीडिया से बातचीत का अवसर नहीं मिला।उत्तर प्रदेश विधान परिषद के शिक्षक एवं स्नातक खंड निर्वाचन क्षेत्र की 11 सीटों पर हुए चुनावों में लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उमेश द्विवेदी ने जीत हासिल की। वाराणसी शिक्षक निर्वाचन सीट पर सपा के लाल बिहारी यादव जीत गए हैं। शेष सीटों पर अभी मतगणना का सिलसिला चल रहा है। मेरठ-सहारनपुर खंड शिक्षक और स्नातक सीटों पर लगातार दूसरी बार भाजपा उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। भाजपा उम्मीदवार श्रीचंद शर्मा 18099 वोट हासिल कर विजयी रहे। स्नातक सीट पर भाजपा के दिनेश गोयल 24928 वोट हासिल कर विजयी रहे। आगरा खंड शिक्षक एमएलसी चुनाव में डॉ. आकाश अग्रवाल ने जीत दर्ज की है।उत्तर प्रदेश के आगरा में MLC वोटों की गिनती के दौरान BJP उम्मीदवार हरि किशोर तिवारी और उनके समर्थकों द्वारा मारपीट के आरोपों पर समाजवादी छात्र सभा आगरा के अध्यक्ष अमित प्रताप यादव कहते हैं, ...रात के करीब 2=30 बज रहे थे। मैं टेबल नंबर 14 पर आकाश अग्रवाल का पोलिंग एजेंट था। जब गिनती का दूसरा राउंड शुरू होने वाला था, तब हमारे उम्मीदवार 2,000 से ज़्यादा वोटों से आगे चल रहे थे, हम साफ़ तौर पर बढ़त बनाए हुए थे। अचानक, BJP उम्मीदवार खड़े हुए और हमारे उम्मीदवार की तरफ झपटे। मेरा स्टेशन, यानी टेबल नंबर 14, ठीक उसी जगह के पास था जहां रिटर्निंग ऑफिसर (ऋ्ह) और उम्मीदवार बैठते हैं। जैसे ही मैंने उन्हें झपटते देखा, मैं तुरंत बीच-बचाव करने पहुंच गया। वहां 15 से 25 ऐसे लोग मौजूद थे जिनके पास -धिकारिक एजेंट होने का कोई प्रमाण नहीं था, उन्हें पुलिस लेकर आई थी। जब भाजपा उम्मीदवार ने हमला किया, तो हम सब बीच-बचाव करने के लिए दौड़े। वहां भारी अफरा-तफरी मच गई और हाथापाई शुरू हो गई। विधान परिषद सदस्य के चुनाव की छह चक्रों की मतगणना पूरी हो चुकी है। अब तक की गणना में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. मानसिंह यादव 37,072 मत पाकर भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर से 15,257 मतों से आगे चल रहे हैं।गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव की मतगणना में चौथे राउंड की गिनती के बाद भाजपा प्रत्याशी व एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी आगे हो गए हैं। निर्दल प्रत्याशी राजीव यादव अब पीछे हो गए हैं। वहीं, सपा प्रत्याशी संजयन त्रिपाठी तीसरे स्थान पर हैं। मतपेटिकाओं को खोलने और मतपत्रों के बंडल बनाने का काम सबसे पहले टेबल नंबर सात और फिर टेबल नंबर 11 की टीम ने पूरा किया।

कारगर साबित हुई अखिलेश की रणनीति, एमएलसी चुनाव से बढ़ी सपा की ताकत, दो सीटों पर जीत, तीन पर आगे

उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव में समाजवादी पार्टी ने दो सीटों पर जीत हासिल की, जबकि तीन सीटों पर उसके प्रत्याशी आगे चल रहे हैं। अखिलेश यादव की रणनीति से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है। पार्टी अपनी पुरानी सीटें बचाने के साथ अतिरिक्त सीटें जीतने की उम्मीद कर रही है।

विधान परिषद चुनाव में सपा ने अपनी ताकत बढ़ा ली है। वाराणसी शिक्षक क्षेत्र से सपा प्रत्याशी लाल बिहारी यादव और आगरा शिक्षक क्षेत्र से सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने जीत हासिल की। जबकि, इलाहबाद-झांसी स्नातक सीट से उसके प्रत्याशी डॉ. मान सिंह यादव, वाराणसी स्नातक सीट से आशुतोष सिन्हा और लखनऊ स्नातक सीट से उसकी प्रत्याशी कांति सिंह उल्लेखनीय रूप से आगे चल रही हैं।सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की रणनीति इस चुनाव में कारगर साबित हुई। वर्ष 2020 में हुए विधान परिषद चुनाव में सपा को इन 11 सीटों में तीन सीटें मिली थीं। इस चुनाव में सपा न सिर्फ अपनी पुरानी तीनों सीटें बचाने में सफल होती दिख रही है, बल्कि दो और सीटें भी उसकी झोली में आना लगभग तय माना जा रहा है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूरे समय मतगणना पर निगरानी रखी। आगरा में सपा प्रत्याशी आकाश अग्रवाल के साथ हुई मारपीट का वीडियो मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात दो बजे एक्स पर साझा करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग से हस्तक्षेप की मांग की। विधान परिषद चुनाव में सपा की दो सीटें जीतना और 5 पर बढ़त से सपा के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एमएलसी चुनाव में डॉ. संजयन त्रिपाठी को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने मतगणना में गड़बड़ी और साजिश के जरिए सपा प्रत्याशी को हराने का आरोप लगाया। कहा कि इस मामले में भाजपा के नेताओं, उनके सहयोगियों और कथित तौर पर संलिप्त अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट में आरोप लगाया कि डॉ. संजयन त्रिपाठी को हराने की साजिश सबके सामने आ गई है। इसके पीछे सिर्फ यह वजह नहीं है कि डॉ. त्रिपाठी समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार हैं, बल्कि उन्होंने इसके लिए %हाता नहीं भाता% का भी जिक्र किया। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी वोट से नहीं, बल्कि खोट से जीतती है। हालांकि, मतगणना में गड़बड़ी और साजिश से जुड़े इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस बयान से नहीं होती है।सपा अध्यक्ष ने डॉ. संजयन त्रिपाठी के कथित उत्पीड़न और उनके आंसुओं का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षक समाज इस घटना को नहीं भूलेगा। भाजपा के शासन में शिक्षकों को अपमान का सामना करना पड़ा है। उन्होंने शिक्षकों से चारा इकट्ठा करने जैसे काम करवाने के कथित षड्यंत्र का भी आरोप लगाया और कहा कि शिक्षक इसे याद रखेंगे।

राहुल गांधी का बड़ा आरोपः कहा- टाटा समूह को किया जा रहा बर्बाद, इन अपराधों के लिए सुनिश्चित करेंगे न्याय

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि टाटा समूह को बर्बाद किया जा रहा है और कारोबारी नेता इस मुद्दे पर चुप हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कारोबार प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का निजी खिलौना नहीं है। उनका यह बयान टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर विवाद के बीच आया है।कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को टाटा समूह को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि टाटा समूह को सुनियोजित तरीके से बर्बाद किया जा रहा है और देश का कोई भी कारोबारी इस मुद्दे पर खुलकर बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। राहुल ने कहा कि इन कथित अपराधों के लिए न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब टाटा समूह की प्रमुख होल्डिंग कंपनी टाटा संस के नेतृत्व को लेकर विवाद चल रहा है। इस विवाद के कारण टाटा ट्रस्ट्स के पदाधिकारियों के बीच मतभेद सामने आए हैं। मामला अब

टाटा संस के निदेशक मंडल तक भी पहुंच गया है।दरअसल, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने एन. चंद्रशेखरन को टाटा संस का चेयरमैन फिर से नियुक्त करने के प्रस्ताव को चुनौती दी है। यह प्रस्ताव 17 सितंबर को टाटा संस के बोर्ड की बैठक में पारित हुआ था। टाटा संस देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में शामिल टाटा समूह की प्रमुख होल्डिंग कंपनी है।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि टाटा समूह को कथित तौर पर आपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा है और कोई कारोबारी नेता इस पर कुछ बोलने की हिम्मत नहीं कर रहा। उन्होंने सवाल उठाया कि कारोबारी कब तक चुप रहेंगे और क्या वे तब बोलेंगे, जब सब कुछ उनके हाथ से निकल जाएगा? उन्होंने आगे कहा कि भारतीय कारोबार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का निजी खिलौना नहीं है। राहुल ने कहा, %आपमें हिम्मत नहीं है, लेकिन हममें है। हम इन अपराधों के लिए न्याय सुनिश्चित करेंगे%।सरकार और टाटा समूह की प्रतिक्रिया नहीं- राहुल गांधी के आरोपों पर केंद्र सरकार या टाटा समूह की ओर से कोई तत्काल प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। फिलहाल टाटा संस के नेतृत्व को लेकर विवाद और राहुल गांधी के बयान ने कारोबारी जगत में चल रही चर्चा को और तेज कर दिया है।

संपादकीय Editorial

Temple Offering Receipt

In the Mahakumbh of faith, Himachal's major temples grab headlines, setting records for monetary offerings in the name of devotion. Everyone's path passes through the fulfillment of a vow; wealth kisses your feet upon reaching your court. These days, with the influx of devotees to Nainadevi, Chintpurni, Bala Sundari, and Chamunda Devi, the scales of devotion reveal that requests are sacrificed during the circumambulation of the temples. Someone offered a gold set to Nainadevi, while another placed gold on a parasol. The weight of gold and silver brought honor to the construction work when a procession of vows came to Chamunda Devi. While the receipts of offerings from devotees enrich the temple treasuries, whenever a devotee, immersed in their devotion, offers gold or silver in the fulfillment of a vow, the flow of the world, the wave of faith, and the boundless power of contribution are revealed. Clearly, temples are enriching traditions by demonstrating their economic potential, but the structure of the temple system is lacking adequate reform. Many resolutions are captured in the zoo of suggestions, but the temple's spirit, or rather, the sentiments of devotion, are not reflected in the plans and projects. In fact, every temple trust remains a political camp. The blueprints for amenities remain a mere abode for VIP gatherings. Ultimately, why haven't the temple's offerings been understood by the temple complex? What prevents us from skewing income and expenditure in favor of devotees? We should transform major centers of faith into the chariots of economic development for religious tourism. Proper and goal-oriented management of the temple system under the Temple Development and Management Development Authority will ensure financial discipline.

This will develop a permanent cadre and roadmap for the temple system. Looking at the budgetary provisions for temples, it seems that a political game is brewing here, or they are simply seen as platforms for the MLA's whims and fancies, under the jurisdiction of the constituency. The details of the temple's devotion inspire us, and if we draw on examples of its functioning, the granting of vows contributes significantly to the development of almost every temple. The Chamunda Temple's development tradition reached another milestone when the complex's construction, enhanced by a substantial donation from a devotee from a neighboring state, began to enhance its strength and aesthetic appeal. Clearly, the expansion of temples should aim to develop religious towns. If our plans incorporate the dignity and economic potential of temples within a ten- to fifteen-kilometer radius, Chintpurni, Deotsidh, Balasundari, Nainadevi, Kangra, Jwalaji, and Chamunda Devi will emerge as religious towns in the state, and the current religious tourism economy through these towns could reach five thousand crore rupees. Ironically, the increasing number of devotees leads to a breakdown in management, and the cleanliness and treatment of devotees in major complexes deteriorates. Standardizing prasad, puja materials, literature, and related gift items within temples, and establishing the production of incense, agarbatti, roti, and trees as an industry in these religious cities, will broaden the path to development. By expanding the singing tradition within temples, these should be transformed.

Living wisely is an art: understand yourself, respect others despite disagreements.

Living wisely has its own unique joy. It's not that life doesn't face difficulties, but that even in the midst of those difficulties, we don't lose our sanity.

We often think that life will be good only when all our troubles are gone, there are no worries, everything goes according to our wishes, and there is no uncertainty or fear about the future. And by doing so, we tie our happiness to tomorrow. But, does the meaning of life lie in the end of difficulties? Does peace simply mean that nothing around us can distract us?

The great truth of life is that we can control our efforts and decisions, but we cannot shape every situation, person, or outcome to our will. Maturity begins with recognizing this difference. Living wisely has its own unique joy. It's not that life isn't without its difficulties, but rather that we don't lose our sanity even in the midst of them. Imagine a plan fails, someone close betrays you, or the future doesn't look as we had hoped. In such moments, our own reactions are sometimes more painful than the situation itself. We repeatedly think that this shouldn't have happened. Then we replay past events, blame ourselves, or try to change outcomes beyond our control. Feeling sad is natural. But feeling sad and losing our sanity are two different things. Wisdom doesn't lie in not feeling sad, but in maintaining the ability to find the right path for ourselves even in the midst of sadness. Indeed, there are some situations in life that are simply impossible to overcome. Time passes. Some opportunities don't return. Some relationships change. And sometimes, even with the most sincere efforts, the results are contrary to our wishes.

If we judge every situation solely on the basis of victory, a large part of life will appear to us as a defeat. Failure teaches us to recognize our limitations. Sometimes a change in a relationship provides an opportunity to reconsider our expectations. The beauty of life lies in understanding a problem better, and sometimes in choosing to think rather than react. We often believe that courageous people are free from fear. However, in real life, courage lies in taking responsibility, admitting our mistakes, apologizing, or seeking help when needed, despite fear. Courage sometimes lies in moving forward, and sometimes in stopping. Sometimes it lies in standing firm on one's own ideas, and sometimes in changing old beliefs. Sometimes the greatest courage lies in honestly admitting weakness. The key: Understand yourself.

Respect others despite disagreement. You, like others, make mistakes. Admitting your mistakes doesn't make you any less; it is a virtue in itself. This awareness of your behavior and actions will reveal a new aspect of life and from here you will be able to embark on a journey of understanding yourself.

French fries, not India: A movement born of resentment over dilapidated schools has inspired many revolutionaries in India.

The movement, fueled by resentment against poor schooling, is now frying many French cities, including Paris, the global capital of luxury capitalism, like french fries. Inspired by this, many revolutionaries in India are wishing for what happened in France to happen here too. France is burning. Its enemies are frying it like french fries. Countries like Italy, Spain, Greece, Portugal, Belgium, Tunisia, Albania, and Argentina are also in the grip of similar movements. The "social contract" that made Rousseau's "modern society" possible and the three ideals of the "French Revolution" that showed the world the path to democracy—equality, fraternity, and liberty—have been forgotten.

France's 125-year-old "Town Hall" has been burned down. The statue of Joan of Arc has been covered with a "hijab." Showrooms of the world's most rare and expensive fashion brands have been looted and set on fire. The Birkin bag is one such expensive brand, beyond everyone's reach. This "super-fashion bag," valued at approximately $500,000 (Rs 4.1 crore), is traditionally available only to the world's richest and most famous. Pre-booking is done only after verifying the true nobility of a select few. The supply waits for it last for years. Some of the world's wealthiest women can be seen flaunting this bag. In addition to the showrooms of these renowned "brands," the showrooms of other "luxury capitalism" brands, including Louis Vuitton, Chanel, Christian Dior, Rolex, Sonoran, and Apple Store, have also been looted. Yet, the French media and some in power have been blind to this harsh reality, claiming that this student movement was peaceful, that the protesters did nothing, and that the administration and police are responsible for what happened.

It is true that the global symbols of France's luxury capitalism have been widening the gap between rich and poor. Many rioters harbor the illusion of revenge by looting and defacing them. However, after this looting, they become an even bigger craze, and their demand increases. Luxury capitalism flourishes even further. For some, these luxury brands can even become like the devil. A few years ago, the two towers of the World Trade Center in America, which collapsed a few years ago, were blown up as symbols of the devil. This means that the movement that has engulfed France in fire and looting is not a peaceful student movement, but a form of class warfare. Some "citizens" who, prior to the riots, had been speaking out in support of and supporting the "refugees," were also targeted in this fire. One woman, after being robbed and beaten, explained that she had been helping these outcast refugees in various ways, but when the robbers began looting her shop, they ignored her pleas. The personal account of a French citizen reveals that he himself had always stood at rallies holding posters "welcoming" refugees, but the robbers ignored him while looting, thus punishing him for his "sympathy."

According to Western media, the violent movement that engulfed several French cities, including Paris, the global capital of "luxury capitalism," initially stemmed from anger against the poor quality of school education. Later, widespread resentment was fueled by the policy of "cutting government spending in the public interest" and raising the "retirement age." Shortly after, this movement was hijacked by radical elements, and therefore, the looting and arson were carried out selectively. However, the European media dare not comment on the role of the "deep state" behind this. However, many Western commentators still call this "Zen-Zi movement" a mere "replay" of the "student uprisings of 1968." However, in the terminology of "Zen-Zi," the biggest reason behind this "Zen-Zi" movement in many European countries is the world's "Wuka mentality," which means being "unstable, uncertain, complex, and ambiguous" in nature. And this is the "anarchist" agenda. Seeing France burning, Donald Trump, himself a master of the "Wuka mentality," has said that refugees have taken over France. He should "seal its borders"...France is burning... Seeing the looting and arson of this movement in France, some opposition elements in our country seem to be reeling.

A local Lenin has already called for a "regime change" (coup) and talked about the potential "bloodshed" in this process. A local Rosa Luxemburg has been seen demanding a "regime change" here, as in Bangladesh. An opposition leader has even been seen justifying the burning of the Supreme Court of Albania by protesters in response to accusations of "colluding" with the government. Similarly, an opposition leader has called out the Chief Justice of the Supreme Court, saying, "If you cannot maintain law and order properly, then resign...we will elect a new Chief Justice..." And our local Marx Sir has already said that democracy is run from the streets, not from Parliament. Many of these revolutionary intellectuals active on social media continue to demand a "change of regime" every day, every moment. Some have even started saying that what is happening in France should happen here too.

It means, 'I will drown, my love, and will take you down with me. 'e'. In such a situation, the anchor of one channel says, "Sir! If you do this, will the 'patriots' sit idle like the French? In such a situation, we will simply say, 'French fries, not India, brother!'"

युवाओं में बढती नशे की लत समाज के लिए चिंता का विषय

समाज में नशा किशोरों व युवाओं में अत्यधिक तीव्र गति से फैल रहा है जो कि घरों-परिवारों का सुख-चैन छीन रहा है। नशे के कारण कई गम्भीर दुर्घटनाएं, लडाई-झगडे तथा अपराघों में बडी ही तेजी से बढोतरी हो रही है। युवाओं में आज-कल नये-नये प्रकार के नशीले पदार्थों के सेवन का प्रचलन बढ रहा है, जिनमें भाँग खाना, चिलम के माध्यम से चरस व गांजा पीना व सूई (सिरिन्जं) के माध्यम से नशीली दवाओं का सेवन करना मुख्य हैं। आज-कल स्कूल व कॉलेज नशे के अड्डे बनते जा रहे हैं। नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार करने वालों पर ढिलाई के कारण, नशीले पदार्थ बडी ही आसानी से युवाओं को उपलब्ध हो जाते हैं, जिससे युवा गलत संगत में पड के बडी ही आसानी से नशे के जाल में फंस जाते हैं।

क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी श्री अंकुर पाण्डेय ने बताया कि युवाओं में बढती नशे की लत के लिए कहीं न कहीं परिवार व समाज भी जिम्मेदार है। पहले आस-पडोस वाले व गाँव के बुजुर्ग किशोरों व युवाओं को कुछ भी गलत करते हुए पाते थे, तो उन्हें रोकते-टोकते थे। घर-परिवार व समाज के किसी किशोर व युवा में नशा करने के संकेत मिले तो उसे समझाते थे। किन्तु आज वैसा समाज नही रहा, लोग सोचते हैं कि पडोसी का बच्चा नशा कर रहा है मेरा नही। किन्तु लोग यह नही सोचते कि यदि पडोसी का बच्चा नशा करेगा तो एक दिन उनका भी बच्चा नशा कर सकता है क्योंकि एक नशेडी युवा कई और युवाओं को भी नशे की चपेट में ले लेता है। नशा करने वाले परिवारों में महिलाएँ और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित व प्रताणित होते हैं क्योंकि नशे के कारण परिवार में रोज कलह होती है तथा परिवार की आर्थिक स्थिति भी दयनीय हो जाती है, जिस कारण उस परिवार के बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। हमे आज की पीढी को नशे के चक्रव्यूह में फंसने से बचाने के लिए बहुत ही समझदारी से काम लेना होगा। युवाओं के दैनिक रहन-सहन, उनके क्रिया-कलापों तथा व उनके व्यवहार पर नजर रखना होगा। जो युवा नशे की लत में पड चुके हैं, उन्हे सरकार, स्वैच्छिक संस्थाएं व समाज के बुद्धिजीवी वर्ग द्वारा मिल जुलकर नशे के विरूद्ध जागरूक करना होगा व अपने जीवन को आनंद के साथ जीने की सही राह दिखानी होगी तथा साथ ही प्रतिबंधित नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार करने वालों के विरूद्ध एक सामूहिक अभियान चला कर, नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना होगा।

आवश्यकता इस बात की है कि यह अभियान समर्पित भाव व आवश्यक संसाधनों के साथ युद्ध स्तर पर चलाया जाए, जिससे कि हमारे समाज को नशे से छुटकारा मिल सके।

स्वामी कैलाशानंद गिरि का बड़ा बयान: जब तक सनातन रक्षक राजा नहीं होगा, धर्म की रक्षा असंभव

स्वामी कैलाशानंद गिरि ने मुरादाबाद में कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन रक्षक राजा का होना आवश्यक है।

उन्होंने सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी सराहना की।सामाजिक समरसता पर 11वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोले संत, योगी सरकार की भी की सराहनागांधी मैदान में बुधवार को सामाजिक समरसता में गोरक्षपीठ की भूमिका पर आयोजित 11वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज ने सनातन धर्म की रक्षा, राष्ट्रीय

एकता और सामाजिक समरसता पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि जब तक सनातन रक्षक राजा नहीं होगा, तब तक सनातन की रक्षा नहीं हो सकती।

उन्होंने उत्तर प्रदेश को भयमुक्त बताते हुए इसका श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिया। स्वामी कैलाशानंद गिरि ने आचार्य और शंकराचार्य की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि जिसका आचरण शंकर जैसा हो,

वही शंकराचार्य है और जिसका आचरण आचार्य जैसा हो, वही आचार्य है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता पर जोर देते हुए कहा कि भारत को विश्व की मां के रूप में स्थापित करने के लिए एकजुटता जरूरी है। राष्ट्र सुरक्षित रहेगा, तभी हम सभी सुरक्षित रह सकेंगे।

पुराने सर्किल रेट पर नहीं होने देंगे जमीन अधिग्रहण, राकेश टिकैत ने कहा- मुरादाबाद में किसानों का बड़ा मुद्दा

राकेश टिकैत ने मुरादाबाद में कहा कि किसानों की जमीन का अधिग्रहण 2013 के पुराने सर्किल रेट पर नहीं होने दिया जाएगा।भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों की जमीन का अधिग्रहण पुराने सर्किल रेट पर नहीं होने देंगे। वर्ष 2013 के सर्किल रेट के हिसाब से किसानों को मुआवजा दिया जा रहा है।सर्किल रेट बढ़ाकर किसानों को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। पुराने रेट पर जमीन लेकर किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने अगवानपुर की महापंचायत में बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहीं।राकेश टिकैत ने कहा कि मुरादाबाद में किसानों की जमीन का अधिग्रहण सबसे बड़ा मुद्दा है। किसानों की जमीन की

कीमत समय के साथ बढ़ी है, इसलिए मुआवजा भी वर्तमान सर्किल रेट के अनुसार मिलना चाहिए। किसानों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने कहा कि किसानों को गन्ने का वाजिब भाव नहीं मिल रहा है। गन्ने के दाम नहीं बढ़ाए गए, जबकि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। बिजली को निजी क्षेत्र में देने की तैयारी भी चल रही है। इन मुद्दों को लेकर किसानों को एकजुट किया जा रहा है।धान खरीद व्यवस्था पर उठाया सवाल- राकेश टिकैत ने धान खरीद व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि खरीद शुरू हो गई है, लेकिन किसानों के बजाय बिचौलिये हावी हो गए हैं। किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए, लेकिन खरीद व्यवस्था में उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है।उन्होंने कहा कि दिल्ली में किसान आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार ने जो वादे किए थे, उन्हें अब तक पूरा नहीं किया गया है। किसान लगातार अपने मुद्दे उठा रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों को नहीं मान रही है। ऐसे में जनता चुनाव के माध्यम से अपना जवाब दे रही है।

शिक्षक एमएलसी चुनाव का उल्लेख करते हुए टिकैत ने कहा कि मुकाबला सबके सामने है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी से यह नहीं कह रहे कि किसे वोट देना है। लोग अपने विवेक से मतदान करते हैं।

वाह रे स्वास्थ्य विभाग! 3 जिलों के अस्पतालों में भर्ती रही युवती, पर डॉक्टर नहीं पकड़ पाए गर्भावस्था

संभल की एक अविवाहित गर्भवती युवती को तीन अस्पतालों में भर्ती किया गया, पर उसकी गर्भावस्था की पहचान नहीं हो सकी। मुरादाबाद जिला अस्पताल के फीवर वार्ड में उसने मृत बच्चे को जन्म दिया, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे।वाह रे स्वास्थ्य विभाग। उपचार व्यवस्था पर सवाल खड़ा करने वाला मामला सामने आया है। संभल रफातपुरा निवासी अविवाहित गर्भवती दो अस्पतालों से होकर मुरादाबाद जिला अस्पताल पहुंच गई,

लेकिन किसी भी अस्पताल में उसकी गर्भावस्था की पहचान नहीं हो सकी।

हालत इतनी गंभीर थी कि प्लेटलेट्स महज 20 हजार, हीमोग्लोबिन चार और टीएलसी दो हजार थी। इसके बावजूद गर्भावस्था का पता नहीं चलना स्वास्थ्यकर्मियों की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

मंगलवार को युवती ने जिला अस्पताल के पुरुष अस्पताल स्थित फीवर वार्ड में मृत बच्चे को जन्म दिया तो वहां हलचल मच गई।

युवती को गंभीर हालत में चन्दौसी से संभल जिला अस्पताल और वहां से मुरादाबाद रेफर किया गया था।24 अक्टूबर को उसे जिला अस्पताल के फीवर वार्ड में भर्ती कराया गया। जांच में उसकी हालत खराब मिली। सोमवार को एक यूनिट ब्लड भी चढ़ाया गया। मंगलवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे युवती ने फीवर वार्ड में मृत बच्चे को जन्म दे दिया।इस घटना से अस्पताल में खलबली मच गई। आनन-फानन महिला अस्पताल से महिला रोग विशेषज्ञ को बुलाया गया। बच्चे की नाल काटने समेत जरूरी चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी कराई गई।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वपनिल ने भी बच्चे का परीक्षण किया और मृत घोषित कर दिया। इसके बाद युवती को इमरजेंसी में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार ने बताया कि युवती के साथ ही मां आई थी। बुखार और खून की कमी की वजह से उसे फीवर वार्ड में भर्ती किया गया था। उसकी मां ने गर्भ की कोई जानकारी नहीं दी थी।

चादर औढ़ने की वजह से चिकित्सक भी नहीं समझ पाए थे। स्वजन युवती की उम्र 17 वर्ष बता रहे हैं। जबकि आधार कार्ड में उसकी उम्र 20 वर्ष है। चन्दौसी से संभल जिला अस्पताल के पर्चे पर भी गर्भवती वाली बात नहीं लिखी थी।

संक्षिप्त समाचार

यह घड़ी समय के साथ-साथ बताती इतिहास: 150 साल पुराना रामपुर का शाही अतीत सुना रही, ब्रिटिश कारीगरी की है गवाह

रामपुर की जामा मस्जिद में करीब 150 साल पुरानी घड़ी है। इसे प्रिंस ऑफ वेल्स ने नवाब कल्बे अली खां को तोहफे में दिया था। नवाब ने 1870-1874 के बीच इस मस्जिद का निर्माण कराया था। वर्ष 1976 से मस्जिद प्रबंधक

समिति इसकी देखरेख कर रही है।नवाबी दौर की शान और ब्रिटिश इंजीनियरिंग का नायाब संगम देखना हो तो रामपुर की ऐतिहासिक जामा मस्जिद पर गौर फरमाइए। यहां की मुख्य दीवार पर लगी प्राचीन घड़ी सिर्फ वक्त ही नहीं दिखाती बल्कि करीब 150 साल पुराने उस शाही इतिहास की गवाही देती है जब ब्रिटेन में प्रिंस ऑफ वेल्स ने इसे नवाब कल्बे अली खां को तोहफे में दिया था। उस दौरान इसे लंदन की जेबी बेनसन कंपनी ने तैयार किया था। नवाब कल्बे अली खां 1865 में रामपुर रियासत के नवाब बने और 1887 तक शासन किया। बताया जाता है कि उन्हें अरबी और फारसी का अच्छा ज्ञान था। उनके शासनकाल में शिक्षा, साहित्य और कला को बढ़ावा मिला। रामपुर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने में भी उनका खास योगदान रहा। जानकारों के मुताबिक, एक मुलाकात के दौरान प्रिंस ऑफ वेल्स ने नवाब कल्बे अली खां को यह घड़ी भेंट की थी। नवाब इसे लंदन से रामपुर लाए और बाद में यह जामा मस्जिद के मुख्य द्वार पर लगाई गई। नवाब कल्बे अली खां ने 1870 से 1874 के बीच जामा मस्जिद का निर्माण कराया था। इसकी वास्तुकला में मुगल शैली का खासा प्रभाव दिखाई देता है। यहां लगाई गई घड़ी के संबंध में दो तख्तियों पर इसके बारे में जानकारी दी गई है। एक तख्ती पर प्रिंस ऑफ वेल्स का जिक्र है, जबकि दूसरी पर लंदन की जेबी बेनसन कंपनी का नाम और पता दर्ज है। वर्ष 1976 में जामा मस्जिद प्रबंधक समिति के गठन के बाद से घड़ी की देखरेख की जिम्मेदारी समिति के पास है।कमेटी के सचिव मुकर्रम रजा इनायती ने बताया कि 1976 में पहली प्रबंधक कमेटी गठित होने के साथ ही घड़ी के रखरखाव की जिम्मेदारी उसे सौंपी गई थी। तब से कमेटी ही इसकी मरम्मत कराती आ रही है। वर्ष 2020 में घड़ी की मरम्मत करने वाले कारीगर की मौत हो गई थी। इसके बाद दूसरे कारीगर से घड़ी की मरम्मत कराई जाने लगी। रामपुर जिला प्रशासन के अनुसार, रामपुर जामा मस्जिद की बनावट दिल्ली की प्रसिद्ध जामा मस्जिद से मिलती है। विशाल प्रवेश द्वार, बड़े गुंबद और ऊंची मीनारें इसकी भव्यता को खास बनाते हैं। मस्जिद का सुंदर आंतरिक हिस्सा भी इसकी निर्माण शैली पहचान का महत्वपूर्ण पहलू है। ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, नवाब कल्बे अली खां ने जामा मस्जिद के निर्माण पर उस समय करीब तीन लाख रुपये खर्च किए थे।जामा मस्जिद में लगी घड़ी नवाब कल्बे अली खां ने लगवाई थी। इस घड़ी का निर्माण लंदन की एक कंपनी ने किया था। मस्जिद में लगी यह घड़ी ऐतिहासिक धरोहर का हिस्सा है। इसकी देखरेख और मरम्मत की जिम्मेदारी मस्जिद की प्रबंधक कमेटी निभाती है। - मौलवी फैजान खां, इमाम, जामा मस्जिद रामपुर जामा मस्जिद के मुख्य द्वार पर लगी घड़ी रामपुर की ऐतिहासिक धरोहर है। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी प्रबंधक समिति के पास है। घड़ी पर लगी तख्ती पर इसे बनाने वाली लंदन की जेबी बेनसन कंपनी का नाम दर्ज है। समिति समय-समय पर इसकी मरम्मत और रखरखाव की व्यवस्था कराती है। - मुकर्रम रजा इनायती, सेकेट्री जामा मस्जिद रामपुररामपुर की जामा मस्जिद की नींव नवाब फैजुल्लाह खां ने छोटी मस्जिद के रूप में रखी थी। इसका भव्य निर्माण नवाब कल्बे अली खां ने कराया, जबकि नवाब हामिद अली खां के दौर में भी काम हुआ। तीन गुंबद, चार मीनारें और ब्रिटेन से आई विशाल घड़ी इसकी खास पहचान है। जेबी बेनसन कंपनी की स्थापना 1690 में हुई थी। वर्ष 1834 में थॉमस जॉयस ने टावर घड़ियां बनाना शुरू किया था। यह घड़ी प्रिंस ऑफ वेल्स ने नवाब कल्बे अली खां को उपहार में दी थी। - काशिफ खां, रषद, सौलत पब्लिक लाइब्रेरी

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मिशन शक्ति 6.0 के तहत क्षेत्र में चलाया जागरूकता अभियान

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी- उत्तर प्रदेश सरकार एवं डीजीपी मुख्यालय के निर्देश पर मिशन शक्ति 6.0 और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में पुलिस एवं महिला कल्याण विभाग की ओर से संयुक्त जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत क्षेत्र के विभिन्न स्थानों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया। एसआई स्नेहा लौर ने महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या उत्पीड़न होने पर चुप न रहें, बल्कि तत्काल पुलिस को सूचना दें। उन्होंने महिला सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर उनका उपयोग करने की अपील की। अभियान के दौरान 1090 महिला पावर लाइन, 112 आपातकालीन पुलिस सेवा, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करते हुए कहा कि वे किसी भी परेशानी की स्थिति में निडर होकर पुलिस की सहायता लें और अपने आसपास की अन्य महिलाओं को भी सुरक्षा संबंधी जानकारियों से अवगत कराएं।

बरेली पुलिस का यूपी में बजा डंका : प्रदेश में नंबर 1 नोडल अधिकारी मनीष चंद्र सोनकर को मिला सम्मान

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो) । गुम और चोरी हुए मोबाइल फोनों की तलाश में बरेली पुलिस ने पूरे उत्तर प्रदेश में अव्वल मुकाम हासिल किया है। पुलिस तकनीकी सेवाएँ मुख्यालय द्वारा जारी नवीनतम रैंकिंग के मुताबिक, CEIR और संचार साथी पोर्टल पर शानदार काम करते हुए बरेली पुलिस पहले स्थान पर रही।

दूरसंचार विभाग द्वारा 31 मार्च 2026 तक के आंकड़ों पर आधारित 'LE कॉन्फ्रेंस में बरेली पुलिस का प्रदर्शन प्रदेशभर में सर्वश्रेष्ठ दर्ज हुआ। जिले की साइबर टीम ने कुल 7,508 ट्रेसिबिलिटी रिक्वेस्ट पर त्वरित एक्शन लेते हुए रिकॉर्ड 5,099 फोन सफलतापूर्वक बरामद किए। 77.54 स्कोर के साथ मिली इस ऐतिहासिक सफलता पर बुधवार को लखनऊ के सीटीओ कंपाउंड में आयोजित समारोह में जनपद के CEIR नोडल अधिकारी मनीष चन्द्र सोनकर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसएसपी अनुराग आर्य ने साइबर सेल की पीठ थपथपाते हुए निरीक्षक हरेन्द्र सिंह, उ0नि0 करन सिंह चौहान, हे0का0 सत्यवीर सिंह, का0 मनोज कुमार, शिवम कुमार व दीपक कुमार की सराहना की।

मोबाइल रिकवरी में जिले के प्रेम नगर, इज्जत नगर, सुभाष नगर, भमोरा और कोतवाली थाने का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा।

सीडीओ व सांसद छत्रपाल गंगवार की उपस्थिति में जिला स्तरीय समिति की हुई बैठक

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। विकास भवन सभागार में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता और सांसद छत्रपाल गंगवार की विशिष्ट उपस्थिति में जिला स्तरीय भूमि एवं जल संरक्षण समिति की अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत प्रभारी भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. नीरजा सिंह ने की।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (खेत तालाब), पं. दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना, आरएडी और पीएमकेएसवाई-डब्ल्यूडीसी 2.0 सहित विभिन्न योजनाओं की भौतिक व वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और मृदा सर्वेक्षण के लक्ष्यों को समय से पूरा करने पर जोर दिया गया।सीडीओ ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सभी स्वीकृत कार्यों को तय समय-सीमा व मानकों के अनुरूप गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ पूरा कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का नियमित स्थलीय सत्यापन करने और व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र किसानों तक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में उप कृषि निदेशक ओमप्रकाश मिश्र, जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा , ब्लॉक प्रमुख वेदप्रकाश , हरेंद्र , मित्रपाल और शुभम कुर्मी सहित कई अधिकारी व कृषक मौजूद रहे।

जनशिकायतों के निस्तारण में ढिलाई पर विशारतगंज और शेरगढ़ निरीक्षक लाइन हाजिर

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अफसरों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। बुधवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित 5 घंटे लंबी मैराथन समीक्षा बैठक में शिकायतों के बढ़ते ग्राफ पर कड़ा रुख अपनाते हुए दो थाना प्रभारियों पर तत्काल कार्रवाई की गई।समीक्षा के दौरान सामने आया कि अगस्त की तुलना में सितंबर माह में विशारतगंज थाने में शिकायतों में 46% (43 से बढ़कर 63) और शेरगढ़ थाने में 30% (66 से बढ़कर 86) का भारी उछाल आया। जिले में शिकायतों में सर्वाधिक बढ़ोतरी इन्हीं दोनों थानों में दर्ज की गई। लगातार मिल रही शिकायतों और लचर निस्तारण को गंभीरता से लेते हुए विशारतगंज और शेरगढ़ के प्रभारी निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से पद से हटाकर रिजर्व पुलिस लाइन भेज दिया गया है। बैठक में सभी क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों को दो टूक चेतावनी दी गई है कि जनसुनवाई में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संविधान संवाद' हेतु छात्रों को जागरूक व जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)जनपद न्यायालय सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) द्वारा 'संविधान संवाद' साक्षरता अभियान एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु नामित नोडल शिक्षकों का एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश प्रदीप कुमार के मार्गदर्शन में हुआ, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

प्रशिक्षण सत्र में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संदीप कुमार ने संविधान के मूल आदर्शों पर व्याख्यान देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहना जरूरी है। DLSA सचिव जया प्रियदर्शिनी ने अभियान की मानक संचालन प्रक्रिया साझा की और विद्यालयों में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के जरिए छात्रों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, चीफ एलएडीसी बालेश कुमार मिश्रा ने बाल संरक्षण कानूनों और बच्चों के कानूनी अधिकारों पर प्रकाश डाला।

इस अभियान के तहत विद्यालयों में क्विज और संवाद सत्रों के जरिए बच्चों को संविधान की प्रस्तावना, न्याय, समानता और बंधुत्व के सिद्धांतों से जोड़ा जाएगा, जिससे वे सजग और जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

बागवानी से चमकेगी किसानों की किस्मत : सब्जियों के संकर बीज और फूलों के बल्ब उपलब्ध, पोर्टल पर तुरंत करें आवेदन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो) । उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत जिले के किसानों को उन्नत खेती से जोड़ने के लिए संकर शाकभाजी के बीज और फूलों के बल्ब उपलब्ध कराए गए हैं। जिला उद्यान अधिकारी जितेन्द्र कुमार के अनुसार, मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना (CMSHM) और एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत लौकी, टमाटर, खीरा, करेला, तोरई, मिर्च व पत्ता गोभी के बीज हिंदुस्तान इंसेक्टिसाइड लि. से प्राप्त हो चुके हैं। इसके अलावा हाफेड द्वारा ग्लैडियोलस बल्ब और गेंदे के बीज भी आ गए हैं। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के किसानों के लिए विशेष योजना के तहत शिमला मिर्च, टमाटर, लौकी, तोरई और मिर्च के बीज उपलब्ध हैं। योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को विभागीय पोर्टल dbt.uphorticulture.in पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। जरूरी दस्तावेज- खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जाति प्रमाण पत्र (स्ष्ट/स्ज्ञ किसानों के लिए), पासपोर्ट साइज फोटो और मोबाइल नंबर। संपर्क सूत्र- योजना की विस्तृत जानकारी के लिए किसान प्रभारी अतुल गंगवार (9258431243) या धवल कुमार गुप्ता (8840235916) से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा कार्य दिवसों में जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय, सौ फुटा रोड डेलापीर में भी सीधे संपर्क किया जा सकता है।

शिक्षक मतदाताओं के भरोसे ने फिर दिलाई जीत, ढिल्लों का किया गया भव्य स्वागत

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से दोबारा एमएलसी निर्वाचित होने के बाद डॉ. हरि सिंह ढिल्लों के मुरादाबाद पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। दिल्ली-मुरादाबाद हाईवे स्थित जीरो पॉइंट पर ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और माल्यार्पण के बीच उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों के साथ शिक्षक और विद्यालय प्रबंधक भी मौजूद रहे। नवनिर्वाचित एमएलसी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने अपनी जीत का श्रेय शिक्षक मतदाताओं के विश्वास और पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि यह जीत सभी के सहयोग और भरोसे का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षक हितों के संरक्षण, सम्मान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षकों को कैशलेस इलाज जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित उनके हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर काम किया जा रहा है।

नगर निगम के कूड़ा निस्तारण प्लांट का किया संचालन शुरू, शहर को कूड़े के पहाड़ से मिलेगी मुक्ति

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। गांव सथरापुर स्थित 27 करोड़ रुपये की लागत से बने कूड़ा निस्तारण प्लांट का संचालन बुधवार को शुरू हो गया है। महापौर उमेश गौतम और सांसद छत्रपाल गंगवार ने नारियल फोड़कर इसका शुभारंभ किया। यह प्लांट पांच साल से चालू नहीं हो सका था। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिलने के बाद इसके संचालन का रास्ता साफ हुआ। 500 टन क्षमता वाला यह प्लांट जिला मुख्यालय से 17 किलोमीटर दूर सथरापुर गांव में 20 हेक्टेयर भूमि पर बना है। इसका निर्माण वर्ष 2021 में पूरा हो गया था, लेकिन एजेंसी के चयन में देरी के कारण यह परियोजना पांच साल तक अटकी रही। जनवरी 2026 में दिल्ली की कंपनी पाथ्या को इसके संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई। कंपनी ने अपने खर्च पर मशीनें भी लगाई हैं। शहर से प्रतिदिन 450 टन से अधिक कूड़ा निकलता है। यह कूड़ा पहले बाकरगंज में जमा हो रहा था, जिससे तीन लाख टन से अधिक कूड़े का पहाड़ बन गया था। इससे आमजन को दुर्गंध और गंदगी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बिजली विभाग ने चलाया बकाया वसूली अभियान,5 नोटिस काटे

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। बिजली विभाग की ओर से बुधवार को बकाया बिलों की वसूली के लिए चलाए गए अभियान में 5 बकायेदारों के बिजली नोटिस काटे गए। वहीं, अभियान के दौरान करीब साढ़े चार लाख रुपये की बकाया धनराशि वसूल की गई। जेई रमेश चंद्र गौतम के नेतृत्व में विभागीय टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बकायेदार उपभोक्ताओं के घर पहुंचकर बिजली कनेक्शन और मीटर की जांच की गई। टीम ने उपभोक्ताओं को समय से बिजली बिल जमा करने के लिए जागरूक किया। नोटिस दिए जाने के बावजूद बकाया बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ विभागीय नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए उनके कनेक्शन काट दिए जाएंगे।साथ ही विभागीय अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से समय पर बिल जमा करने की अपील की है। अभियान के दौरान टीजी-टू प्रवीण शर्मा, आदिल मलिक, राजेश बाबू, काशीराम, मोहित माहेश्वरी, शब्बीर अली, प्रमेंद्र और हरबीर सिंह सहित विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

शातिर बदमाश सचिन पुलिस एनकाउंटर के बाद , लंगड़ाते हुए फिर से पहुंचा सलाखों में

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली । एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। 21 अक्टूबर को पेशी के दौरान फरार हुए 25,000 रुपये के इनामी बदमाश सचिन सिंह ठाकुर की लोकेशन रेलवे नॉर्थ कॉलोनी के पास मिली, जहां वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में छिपा बैठा था। पुलिस टीम ने जब घेराबंदी की, तो खुद को घिरता देख शातिर बदमाश ने पुलिस पर जानलेवा फायरिंग झोंक दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने के बाद अभियुक्त को मौके पर ही दबोच लिया गया। पकड़े गए अभियुक्त के पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार सचिन ठाकुर पर चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट समेत करीब एक दर्जन संगीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने विधिक कार्रवाई पूरी कर घायल बदमाश को इलाज के बाद न्यायालय में पेश कर सीधा जेल भेज दिया गया ।

जिला उद्योग केंद्र का बाबू 5,000 की घूस लेते बरेली एंटी करप्शन ने किया गिरफ्तार

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एंटी करप्शन बरेली की टीम ने पीलीभीत में बड़ी कार्रवाई की है। ?जिला उद्योग केंद्र में तैनात वरिष्ठ सहायक हिमांशु कुमार को टीम ने कार्यालय से 5,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। बहादुरपुर हुक्मी निवासी शिकायतकर्ता सुरेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत वाटर प्लांट लगाने के लिए लोन का आवेदन किया था। लोन स्वीकृत कराने के बदले बाबू हिमांशु कुमार 5,000 की घूस मांग रहा था। शिकायत मिलने के बाद ट्रैप प्रभारी निरीक्षक इश्तियाक वारसी के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाया और दोपहर 12-20 बजे आरोपी को दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली पीलीभीत में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है।

शब्दोत्सव’ काव्यगोष्ठी में गूंजे साहित्य के स्वर: विदिशा में साहित्यकारों ने नागेंद्र लोधी को दी जन्मदिन की आत्मीय शुभकामनाएं

मातृभूमि युवा परिषद के आयोजन में विदिशा के वरिष्ठ एवं युवा साहित्यकारों ने किया प्रभावशाली काव्यपाठ; सुमित सिंह के सफल संचालन ने बांधा समां

@ क्यूँ न लिखूँ सच

विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) मातृभूमि युवा परिषद के तत्वावधान में गत 25 अक्टूबर को भाजपा युवा नेता नागेंद्र लोधी के जन्मदिन के अवसर पर उत्सव गार्डन, विदिशा में भव्य 'शब्दोत्सव' काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। साहित्य और काव्य को समर्पित इस गरिमामयी आयोजन में विदिशा शहर के वरिष्ठ एवं युवा साहित्यकारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से साहित्य, मानवीय संवेदनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को अत्यंत खूबसूरती से अभिव्यक्त किया, जिससे पूरा वातावरण साहित्यिक आत्मीयता से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम की शुरुआत नागेंद्र लोधी द्वारा उपस्थित सभी कवियों और साहित्यकारों के आत्मीय स्वागत के साथ हुई। इस अवसर पर सभी रचनाकारों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी और उज्ज्वल जीवन की कामना की। साथ ही, साहित्य के प्रति नागेंद्र लोधी के गहरे लगाव और समर्पण की भी मुक्तकंठ से सराहना की गई। वे विगत दस वर्षों से अधिक समय से साहित्य की सेवा में सक्रिय हैं और निरंतर संवाद एवं साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करते आ रहे हैं। वरिष्ठ साहित्यकारों की गरिमामयी उपस्थिति-काव्यगोष्ठी में विदिशा के प्रतिष्ठित साहित्यकारों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मंच पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं इतिहासकार गोविंद देवलिया, देश के प्रख्यात शायर व ग़ज़लकार निसार मालवीय, सुरेंद्र श्रीवास्तव, शीलचंद पालीवाल, गोवर्धन राजोरिया, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अखिल भारतीय स्वर्णकार महासभा लायन अरुण कुमार सोनी, संतोष सागर, सोबरन सिंह और नागेंद्र लोधी आसीन रहे। इनके साथ ही उदय ढोली, संजय चतुर्वेदी, शाहिद अली शाहिद, कोमल सिंह कोमल, नजीर नूरी एवं कैलाश सतवैया सहित अन्य गणमान्य साहित्यकार भी कार्यक्रम में शामिल हुए। लायन अरुण कुमार सोनी द्वारा नागेंद्र लोधी को जन्म दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस प्रकार राधाकृष्णन पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन ने अपना जन्म दिवस शिक्षकों को भेंट किया था उसी तरह आज आपने अपना जन्मदिन कवियों को समर्पित करते हुए मनाया। आप असीम प्रशंसा के पात्र है। युवा रचनाकारों की ऊर्जावान प्रस्तुतियां- कार्यक्रम में युवा रचनाकारों ने भी बढ़-चढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अपनी कविताओं से समां बांध दिया। अभिनव सोनी, शिखा रघुवंशी, अंकित राज, निकिता पाल, अनुज भार्गव, अभिषेक भार्गव, सतेंद्र सत्यज, सौरभ सोलंकी, सौरभ यादव, सुमित सिंह, प्रियम आर्य एवं अदिति आचार्य ने अपनी कविताओं का पाठ किया। युवा कवियों की इन रचनाओं ने आयोजन में एक नई ऊर्जा और साहित्यिक उत्साह का संचार किया। वरिष्ठ एवं युवा साहित्यकारों की एक साथ उपस्थिति ने इस काव्यगोष्ठी को पीढ़ियों के बीच एक सुंदर साहित्यिक संवाद का अनूठा मंच प्रदान किया। काव्यपाठ और संचालन- काव्यपाठ के दौरान कवियों ने विविध भावों और विचारों को मंच पर उतारा। साहित्य के प्रति अनुराग, सामाजिक सरोकारों और संवेदनाओं से जुड़ी रचनाओं ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का बेहद कुशल, सहज और प्रवाहमयी संचालन सुमित सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने पूरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखते हुए सभी कवियों को ससम्मान आमंत्रित किया, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और प्रवाह अंत तक बना रहा।नागेंद्र लोधी का साहित्य के प्रति समर्पण इस आयोजन का एक विशेष आकर्षण रहा। उनके जन्मदिन पर आयोजित इस साहित्यिक संध्या ने काव्य, सम्मान और आत्मीयता के सुंदर संगम की मिसाल पेश की। 'शब्दोत्सव' काव्यगोष्ठी ने विदिशा की समृद्ध साहित्यिक परंपरा को और अधिक सशक्त बनाते हुए वरिष्ठ एवं युवा रचनाकारों को एक ऐसा साझा मंच दिया, जो समाज में कविता, विचार और संस्कृति को निरंतर समृद्ध कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

महिला से छेड़छाड़ करने पर मुकदमा दर्ज

@ क्यूँ न लिखूँ सच

नवाबगंज। तालाब में मछली पकड़ रही महिला के पास एक युवक मछली खरीदने के बहाने आया और उससे छेड़छाड़ की। महिला ने इसका विरोध किया तो उसने उसके साथ मारपीट की। महिला के शोर मचाने पर कुछ दूर पर मछली पकड़ रहा उसका पति वहां पहुंचा तो युवक उससे मारपीट कर फरार हो गया। घटना की रिपोर्ट महिला की ओर से थाना नवाबगंज में दर्ज कराई गई है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला 27 अक्टूबर की दोपहर जाफरपुर गांव के पास तालाब में मछली पकड़ रही थी। उससे कुछ दूरी पर उसका पति मछली पकड़ रहा था। इसी दौरान बहेड़ी थाना क्षेत्र के तिलमाची गांव का अफजाल मछली खरीदने के बहाने उसके पास पहुंचा और छेड़छाड़ करने लगा। महिला के इसका विरोध किया तो उसने उससे गाली-गलौज कर मारपीट की। शोर सुनकर महिला का पति मौके पर पहुंचा तो आरोपी उससे भी मारपीट कर फरार हो गया। घटना की रिपोर्ट महिला की ओर से नवाबगंज थाने में दर्ज कराई गई है।

प्रदेश के कर्मचारियों को जल्द मिल सकता है बढ़े हुए महंगाई-भत्ते का तोहफा

प्रदेश सरकार ने मई 2026 में राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते व राहत में दो फीसदी की वृद्धि की थी। इसके बाद डीए और डीआर की दर 58 से बढ़कर 60 फीसदी हो गई थी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में तीन फीसदी बढ़ोतरी के फैसले के बाद अब उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों को भी राहत मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। प्रदेश सरकार दिवाली से पहले डीए और डीआर में तीन फीसदी वृद्धि का फैसला कर सकती है। इससे प्रदेश के करीब 28 लाख कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ मिल सकता है। इनमें लगभग 16.35 लाख कर्मचारी और 11.53 लाख पेंशनर शामिल हैं। प्रदेश सरकार ने मई 2026 में राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते व राहत में दो फीसदी की वृद्धि की थी। इसके बाद डीए और डीआर की दर 58 से बढ़कर 60 फीसदी हो गई थी। अब तीन फीसदी की संभावित वृद्धि होने पर यह दर बढ़कर 63 फीसदी हो जाएगी। हालांकि, प्रदेश सरकार की ओर से नई वृद्धि को लेकर अभी औपचारिक शासनादेश जारी नहीं हुआ है।केंद्र सरकार की तर्ज पर प्रदेश सरकार भी महंगाई भत्ते में वृद्धि को एक जुलाई 2026 से प्रभावी कर सकती है। ऐसा होने पर कर्मचारियों और पेंशनरों को जुलाई से बढ़ी दर के हिसाब से एरियर भी मिल सकता है। हालांकि, बढ़ोतरी की प्रभावी तारीख और बकाये के भुगतान का तरीका शासनादेश जारी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।एक जुलाई से होगा लागू-डीए में वृद्धि का लाभ नियमित राज्य कर्मचारियों के अलावा सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों, तकनीकी शिक्षण संस्थानों, स्थानीय निकायों और यूजीसी वेतनमान पाने वाले पात्र कर्मचारियों को भी मिल सकता है। वहीं, राज्य के पात्र पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को डीआर बढ़ने से राहत मिलेगी।

सहसपुर में दशहरा मेले की रौनक बरकरार

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । रुस्तम नगर सहसपुर में दशहरा मेला यौवन पर है। मेले में छोटे बड़े झूले, चरख, जलपरी, ट्रेन, मिक्की माउस समेत अनेक खेल खिलौने के आइटम धूम मचाए हुए हैं जो बच्चों से लेकर बड़ों तक को आकर्षित कर रहे हैं। मेले में चाट पकौड़ी चाऊमीन जलेबी की समुचित दुकानें लगी हुई हैं जिन पर दर्शक लजीज व्यंजनों का स्वाद ले रहे हैं। बैग, क्रोकरी, कृत्रिम आभूषण, मिट्टी, लोहे, लकड़ी की चीजें,सौंदर्य प्रसाधन और घरेलू उपयोग की वस्तुएँ खरीदने को भी रोजाना दिन और रात में भीड़ उमड़ रही है। मेले में पुलिस सुरक्षा का समुचित प्रबंध किया हुआ है। गांव में मेहमानों की आवाजाही जारी है। बैग विक्रेता मोबीन हुसैन ने बताया इस बार मेले में अच्छी खासी रौनक है। रशीद सैफी ने बताया कि इस बार मेला और अधिक अच्छा लग रहा है।

सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्रामोदय महाविद्यालय में स्लोगन प्रतियोगिता

◆ ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा से ही बनेगा भ्रष्टाचार मुक्त भारत -डॉ. अशोक कुमार सिंह

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद द्वारा संचालित सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्रामोदय महाविद्यालय एवं शोध संस्थान, अमरपुरकाशी में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार सिंह के निर्देशन में सत्यनिष्ठा एवं भ्रष्टाचार मुक्त भारत विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।विद्यार्थियों ने अपने प्रभावशाली नारों के माध्यम से भ्रष्टाचार उन्मूलन, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया ।

छात्र-छात्राओं द्वारा न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे, भारत को भ्रष्टाचार मुक्त करेंगे, ईमानदारी की अलख जगाएँ, विकसित भारत का सपना सजाएँ तथा सत्यनिष्ठा से राष्ट्र निर्माण, यही है विकसित भारत की पहचान जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से जन-जागरूकता का संदेश दिया गया।

प्राचार्य ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।सत्यनिष्ठा केवल एक विचार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए। जब युवा पीढ़ी ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को अपनाएगी, तभी विकसित एवं भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना साकार होगा। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, जागरूकता तथा राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करती हैं।

मुरादाबाद में राष्ट्रीय संगोष्ठी ‘सामाजिक समरसता में गोरक्षपीठ की भूमिका’ का भव्य आयोजन, 20 समाजसेवियों को मिला समरसता सम्मान

@ क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी कैलाशानन्द गिरि जी महाराज बोले-सनातन परंपरा के संरक्षण में गोरक्षपीठ का योगदान उल्लेखनीय; पदम सिंह जी ने विकसित भारत के लिए सामाजिक समरसता को बताया आवश्यक मुरादाबाद, 28 अक्टूबर। गुरु गोरक्षनाथ जी महाराज की असीम अनुकंपा एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति में ब्लॉसम इंडिया फाउंडेशन की ओर से बुधवार को मुरादाबाद के गांधी मैदान में राष्ट्रीय संगोष्ठी 'सामाजिक समरसता में गोरक्षपीठ की भूमिका' का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में संत-महात्माओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता करते हुए भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, सामाजिक सद्भाव और सामाजिक एकता के महत्व पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर सामाजिक समरसता एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 20 विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर परम पूज्य स्वामी कैलाशानन्द गिरि जी महाराज रहे। अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख श्री पदम सिंह जी ने की। कार्यक्रम के निवेदक मुरादाबाद के नगर विधायक श्री रितेश कुमार गुप्ता जी रहे, जबकि संयोजन ब्लॉसम इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक श्री शशि प्रकाश सिंह जी ने किया। कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित श्री चिरंजीलाल यादव जी तथा हिंदू महासभा से जुड़े श्री सतीश मदान जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि स्वामी कैलाशानन्द गिरि जी महाराज ने अपने संबोधन में सनातन परंपरा के संरक्षण और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में गोरक्षपीठ की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा की रक्षा और उसके मूल्यों को समाज में स्थापित करने के लिए गोरक्षपीठ ने महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि यह भारत का सौभाग्य है कि गोरक्षपीठ से जुड़े संत और महंत पूजा-पाठ तक सीमित न रहकर सनातन परंपरा के संरक्षण और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए भी निरंतर सक्रिय रहे हैं। उन्होंने योगी आदित्यनाथ जी का उल्लेख करते हुए कहा कि धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं के साथ-साथ सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए भी गोरक्षपीठ की परंपरा में निरंतर प्रयास किए जाते रहे हैं।संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे श्री पदम सिंह जी ने सामाजिक समरसता को राष्ट्र और सनातन परंपरा की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि यदि हम वास्तव में विकसित समाज और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करना चाहते हैं, तो सामाजिक समरसता को जीवन और व्यवहार में उतारना होगा। समाज के सभी वर्गों के बीच परस्पर सम्मान, सहयोग और आत्मीयता का भाव मजबूत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता ही ऐसे समाज के निर्माण का आधार है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को राष्ट्र और समाज का अभिन्न अंग महसूस करे ब्लॉसम इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक एवं कार्यक्रम संयोजक श्री शशि प्रकाश सिंह ने अपने संबोधन में गोरक्षपीठ के ऐतिहासिक सामाजिक योगदान और समरसता के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के जीवन और कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सनातन परंपरा, सामाजिक समरसता और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि गोरक्षपीठ की परंपरा समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने, सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर आत्मीयता स्थापित करने और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का संदेश देती है।संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि भारतीय समाज की मूल भावना समरसता, समानता, सामाजिक सद्भाव और आत्मीयता में निहित है। सनातन परंपरा सदैव समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने तथा परस्पर सम्मान और सहयोग के माध्यम से सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश देती रही है। इस दिशा में गोरक्षपीठ की भूमिका और उसके ऐतिहासिक प्रयासों पर भी विचार साझा किए गए।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने, समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने तथा आपसी विश्वास और आत्मीयता को और मजबूत करने का संकल्प लिया। संगोष्ठी ने सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना और समाजसेवा के महत्व को रेखांकित करते हुए समरसता के संदेश को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

डीएम एसएसपी नें मेला ककोड़ा मिनी कुंभ तैयारियों का लिया जायजा

@ क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी अवनीश राय एवं एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा आगामी मेला ककोड़ा (मिनी कुंभ) के सकुशल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के दृष्टिगत गंगा तट पर मेला स्थल का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया । इस दौरान अधिकारियों द्वारा मेले की तैयारियों, श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि मेले की सभी तैयारियां निर्धारित समयावधि में युद्धस्तर पर पूर्ण कराई जाएं । श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए मेला स्थल तक जाने वाले मार्गों का निर्माण एवं मरम्मत समय से सुनिश्चित की जाए, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े । मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से निगरानी तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए । साथ ही भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके । इसके अतिरिक्त मेला परिसर में साफ-सफाई, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक जनसुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए । अधिकारियों ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने तथा मेला ककोड़ा का आयोजन सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए । इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी सदर श्री साईं अश्रित शाखमुरी, क्षेत्राधिकारी उझानी श्री राहुल पाण्डेय सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अलीगढ़ के एडीजे पर हमला, कार में आग लगाने की कोशिश

@ क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ हाईवे पर खंदौली स्थित मई चौराहे के पास अलीगढ़ के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अली मुस्तफा पर हमला बोला गया। उनकी कार में बाइक की टक्कर लगने पर युवक ने अपने 30-40 साथियों को बुला लिया। न्यायिक अधिकारी, उनके पिता और गनर के साथ मारपीट की। जान से मारने और कार में आग लगाने की कोशिश की। न्यायिक अधिकारी ने परिवार सहित किसी तरह कार ले जाकर अपनी बचाई। मुख्य आरोपी ने कार का शीशा तोड़ दिया। मामले में पुलिस ने भूपेंद्र और 30-40 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी के अनुसार, घटना 24 अक्तूबर की है।

अलीगढ़ न्यायालय की कोर्ट संख्या पांच में तैनात अपर जिला जज अली मुस्तफा पिता गुलाम मुस्तफा, मां और गनर के साथ लखनऊ से अलीगढ़ जा रहे थे। यमुना एक्सप्रेस-वे के खंदौली इंटरचेंज से उतरकर वह आगरा अलीगढ़ मार्ग पर आए। मई चौराहे पर जवाहर इंटर कॉलेज के सामने शराब के नशे में आए बाइक सवार ने कार में चालक साइड पर टक्कर मार दी।

इससे गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। न्यायिक अधिकारी ने कार को रुकवा। इसके बाद बाइक सवार को गलत ड्राइविंग के बाबत समझाया तो वह गाली देने लगा। आरोपी ने अपना नाम भूपेंद्र निवासी गोविंदपुर बताया। उसने कहा कि वह बीएसएफ में जवान है।

राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार का फतेहगंज पश्चिमी में प्रथम आगमन, झुमका तिराहे पर स्वागत के बाद ब्लॉक कार्यालय में हुआ अभिनंदन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार के फतेहगंज पश्चिमी में प्रथम आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। झुमका तिराहे पर स्वागत के बाद ब्लॉक कार्यालय में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष शामिल हुए।बुधवार को ब्लॉक कार्यालय में आयोजित समारोह के दौरान विधायक डॉ डीसी वर्मा एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सत्येंद्र यादव ने मुख्य अतिथि श्रुति गंगवार सहित अन्य अतिथियों को बुके भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सांसद का स्वागत किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों की भागीदारी रही।समारोह में जिला अध्यक्ष सोमपाल शर्मा, वीरेंद्र गंगवार (वीरू बाबू), जिला उपाध्यक्ष अजय सक्सेना, राहुल साहू, जिला मंत्री संजय चौहान, शिवम शर्मा, मंजू कोरी, गन्ना समिति मीरगंज के चेयरमैन तेजपाल फौजी, मंडल अध्यक्ष कैलाश शर्मा, पूर्व चेयरमैन के.पी. मौर्य, उमेंद्र चौहान, के.पी. राना, पूर्व मंडल अध्यक्ष कुलबीर सिंह,सौरभ पाठक,संजीव शर्मा, जोगिंदर सिंह, तेजराम गंगवार, दीपू सिंह, गौरव गंगवार, गौरव मिश्रा एवं राजेश राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, ग्राम प्रधान, भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।सांसद के प्रथम आगमन पर आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया गया। बड़ी संख्या में महिला शामिल रही

बरेली जंक्शन से मुरादाबाद तक तीन ट्रेनों के विस्तार समेत भिटौरा पर चार एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव को मांग पत्र सौंपा

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी - फतेहगंज पश्चिमी के भिटौरा रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव एवं बरेली से मुरादाबाद तक ट्रेनों के विस्तार के लिए व्यापार मंडल ने सांसद छत्रपाल समेत रेल मंत्री को संबोधित ज्ञापन भाजपा के केंद्रीय नेताओं को दिल्ली जाकर सौंपा। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता आशीष अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली जाकर केंद्रीय भाजपा कार्यालय पर सुनवाई कर रहे भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल एवं राष्ट्रीय मंत्री जगदीश ईश्वर भाई पटेल को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को संबोधित ज्ञापन देते हुए विधानसभा चुनाव से पूर्व ट्रेनों के विस्तार एवं ठहराव को आवश्यक बताते हुए भाजपा नेता आशीष अग्रवाल ने शीर्ष भाजपा नेतृत्व के संज्ञान में लाते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश के जिला बरेली की नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी के भिटौरा रेलवे स्टेशन पर मात्र एक एक्सप्रेस ट्रेन इंटर सिटी दिल्ली रोहतक एक्सप्रेस का स्टॉपेज है। फतेहगंज पश्चिमी नगर की आबादी लगभग पचास हजार से ज्यादा है एवं इसके समीप नगर पंचायत शाही,शीशगढ़, शेरगढ़, के अलावा सौ से ज्यादा गांव ऐसे हैं जिसके संपर्क मार्ग पर रेल मार्ग नहीं है। सभी के

◆ नई दिल्ली में राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल को ट्रेनों के स्टॉपेज एवं विस्तार संबंधी ज्ञापन देते व्यापारी!

रेल गंतव्य का एक मात्र रेलवे स्टेशन भिटौरा है। जिसके कारण स्थानीय एवं आस पास के लगभग डेढ़ लाख से अधिक लोगों को केंद्र सरकार की रेल सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। भिटौरा रेलवे स्टेशन से संदर्भित आम जनमानस को भिटौरा (BTO) फतेहगंज पश्चिमी व आसपास पास की तीन नगर पंचायतों समेत सौ गांवों के लोगों को दिल्ली, लखनऊ, अयोध्या, हरिद्वार जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर आने जाने की सुविधा हेतु निम्न ट्रेनों का स्टापेज किया जाना आवश्यक है। 1- गंगा सतलुज एक्सप्रेस 13307-13308 का स्टॉपेज भिटौरा रेलवे स्टेशन। 2-अयोध्या एक्सप्रेस 14205-14206 का स्टॉपेज भिटौरा रेलवे स्टेशन। 3- हावड़ा मेल 13005-13006 का स्टॉपेज भिटौरा रेलवे स्टेशन। 4- लखनऊ मेल 12229-12230 का स्टॉपेज भिटौरा रेलवे स्टेशन। 5- बरेली रोजा मेमू 64175-64176 का मुरादाबाद तक विस्तार। 6- कासगंज पैसेंजर 55327-55328 का मुरादाबाद तक विस्तार। 7- मुरादाबाद दिल्ली पेसेंजर 54307- 54308 का बरेली तक विस्तार। उपरोक्त अनुरोधों के दृष्टिगत जनहित में उपरोक्त ट्रेनों के ठहराव एवं विस्तार से लाखों लोग रेल यात्रा से लाभान्वित होंगे। उपरोक्त माँग के संबंध में फतेहगंज पश्चिमी व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास उद्यमशीलता मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल जी ने भी दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को माननीय रेल मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव जी को भी पत्र भेजकर जनहित में स्वीकृति प्रदान करने की अपील की थी। मांगपत्र की एक प्रति बरेली लोकसभा सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार को भी प्रेषित की गई। इस दौरान व्यापार मंडल के गौतम गोयल,सुबोध पोरवाल, दीपक गोयल, राहुल सिंह,रोहित सिंह,शीलू सिंह,हिमांशु अग्रवाल, प्रशांत अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, जगत सिंह सनी, राजेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत 32 हितग्राहियों को 76 जीवन सहायक उपकरणों का वितरण आज नटेरन में

@ क्यूँ न लिखूँ सच

विदिशा, (हाकम सिंह) भारत सरकार की एडिप (योजना एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को जीवन सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 29 अक्टूबर 2026 को जनपद पंचायत नटेरन में वितरण शिविर आयोजित किया गया है। शिविर में पूर्व में चिन्हांकित दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न प्रकार के जीवन सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। जनपद पंचायत नटेरन एवं नगर परिषद शमशाबाद क्षेत्र में 29 जून को आयोजित चिन्हांकन प्रक्रिया के दौरान दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उपकरणों के लिए चिन्हांकित किया गया था। चिन्हांकन के उपरांत कुल 32 हितग्राहियों को 76 जीवन सहायक उपकरणों के वितरण के लिए चयनित किया गया है।

इन हितग्राहियों को एलिम्को के माध्यम से विभिन्न प्रकार के जीवन सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इनमें मोटराइज्ड ट्रायसाईकिल, ट्रायसाईकिल, कान की मशीन, वॉकर, छड़ी सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण शामिल हैं।इन उपकरणों के वितरण का उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों की दैनिक गतिविधियों को सुगम बनाना, उनकी गतिशीलता एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना तथा उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

सहायक उपकरण प्राप्त होने से पात्र हितग्राही अपनी दैनिक आवश्यकताओं को अधिक सहजता से पूरा कर सकेंगे। वितरण शिविर में चिन्हांकित हितग्राहियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। संबंधित विभागों द्वारा शिविर के आयोजन एवं हितग्राहियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक में समय से निस्तारण के निर्देश

@ क्यूँ न लिखूँ सच

मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की में जिला उद्योग बंधु की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में उद्यमियों की समस्याओं, शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण पत्रावलियों की स्थिति तथा औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने ऋण पत्रावलियों को दो सप्ताह में समय से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी ऋण पत्रावली को आवेदक को कारण बताए बिना अस्वीकृत न किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई पत्रावली अस्वीकृत की जाती है तो उसके पीछे का स्पष्ट एवं उचित कारण दर्ज होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्य को गंभीरता से परीक्षण करते हुए नियमानुसार शीघ्र समय से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्याओं को समय से निस्तारण करने के साथ साथ सड़कों पर गड्ढे एवं गंदगी पर विशेष ध्यान देने सहित अन्य समस्याओं को लगन और मेहनत से कार्य करने के साथ समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। बैठक में इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग बन्धु सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

धनतेरस, दिवाली और छठ पर 24 घंटे बिजली देने के निर्देश, शिकायतों का होगा त्वरित निस्तारण

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष रणवीर प्रसाद ने अधिकारियों को धनतेरस, दीपावली, भैयादूज और छठ पूजा के दौरान पूरे प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को बिजली वितरण व्यवस्था की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि सभी उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाए। बिजली कनेक्शन देने की प्रक्रिया सरल बनाने और उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने अधिकारियों को नियमित पेट्रोलिंग करने तथा ट्रांसफार्मर और फीडरों का लोड जांचने के निर्देश दिए, ताकि त्योहारों के दौरान बिजली व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

अलीगढ़ में ट्रक चालक ने पुलिसकर्मी पर लगाया 500 रुपये मांगने और मारपीट का आरोप

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ के थाना लोधा क्षेत्र के खेरेश्वर का मामला बताया जा रहा है। ट्रक चालक का आरोप है कि पुलिसकर्मी एनुदीन खान ने उससे 500 रुपये की अवैध मांग की। पैसे देने से इनकार करने पर उसके साथ मारपीट की गई और थप्पड़ मारे गए। पीड़ित के अनुसार, जब उसने घटना का वीडियो बनाना शुरू किया, तो पुलिसकर्मी ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया। घटना से जुड़ा वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। हालांकि, आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और पुलिस का पक्ष सामने आना बाकी है।

दिवाली-छठ पर यात्रियों को राहत, अलीगढ़ से गाजियाबाद के बीच चलेंगी त्योहार विशेष ट्रेनें

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ दिवाली और छठ पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने अलीगढ़ और गाजियाबाद के बीच अनारक्षित ईएमयू त्योहार विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह के अनुसार, ट्रेन संख्या 04414 गाजियाबाद से अलीगढ़ के लिए 5, 6 और 7 नवंबर को चलेगी, जबकि ट्रेन संख्या 04413 अलीगढ़ से गाजियाबाद के लिए 6, 7 और 8 नवंबर को संचालित होगी। गाजियाबाद से ट्रेन रात 8॰05 बजे रवाना होकर 10॰30 बजे अलीगढ़ पहुंचेगी। वहीं, अलीगढ़ से रात 11॰30 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 2 बजे गाजियाबाद पहुंचेगी। दोनों ट्रेनें तीन-तीन फेरे लगाएंगी। इससे त्योहारों पर यात्रियों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है।

राजश्री मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस छात्र से मारपीट, मां की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज

@ क्यूँ न लिखूँ सच

◆ सीनियर छात्र मुकुल तोमर समेत 10-12 युवकों पर आरोप, सीओ बोले- जल्द होगी गिरफ्तारी

फतेहगंज पश्चिमी। राजश्री मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के छात्र जतिन बुटेलिया के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने उसकी मां की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में वरिष्ठ छात्र मुकुल तोमर समेत 10-12 युवकों पर मारपीट करने का आरोप है।

जयपुर के लक्ष्मीतारा, रायपुरी विस्तार निवासी सुनीता देवी पत्नी किशोर बुटेलिया ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा जतिन राजश्री मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। आरोप है कि 25 अक्टूबर की रात करीब नौ से दस बजे के बीच जतिन कॉलेज गेट से हॉस्टल जा रहा था। सीटी स्कैन बिल्डिंग के पास वरिष्ठ छात्र मुकुल तोमर ने उसे गाली देकर बुलाया। विरोध करने पर मुकुल ने उसके सिर और कान पर हाथों से वार किए।तहरीर के मुताबिक, मुकुल जतिन को मारपीट करते हुए हॉस्टल ले गया। वहां हर्षदीप, सौरभ, आनंद, हर्षवर्धन और पारस समेत अन्य युवक मौजूद थे। आरोप है कि कुछ लोगों के रोकने की अपील के बावजूद मारपीट जारी रही। भाटी और अन्य युवक मौजूद थे। शिकायत के अनुसार, संदीप राठी और केशव भाटी ने भी जतिन के साथ मारपीट की। इसके बाद उसे दूसरे कमरे में ले जाया गया, जहां प्रवीण, युवराज और अन्य युवकों पर भी मारपीट करने का आरोप लगाया गया है।माँ ने आरोप लगाया कि उनका बेटा अनुसूचित जाति की खटीक जाति से है और इसी कारण आरोपी उससे द्वेष रखते हैं। मारपीट में जतिन के सिर, कान और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट व सूजन आने की बात भी तहरीर में कही गई है। उन्होंने घटना की पुष्टि के लिए कॉलेज परिसर और हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कराने की मांग की है। सीओ हाईवे देवेश सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

उप निरीक्षक से बने इस्पेक्टर उपेंद्र कुमार मलिक

@ क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़।(लवकुश ठाकुर) पुलिस कप्तान नीरज जादौन ने उप निरीक्षक से इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नत होने पर उप निरीक्षक उपेंद्र कुमार मलिक को स्टार लगाकर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

अलीगढ़ के 13 कस्तूरबा विद्यालयों में 12वीं तक होगी पढ़ाई, बेटियों को मिलेंगी आधुनिक शिक्षा की सुविधाएं

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ के सभी 13 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों को कक्षा 12 तक अपग्रेड किया गया है। इससे छात्राओं को कक्षा 6 से 12वीं तक एक ही परिसर में पढ़ाई जारी रखने का अवसर मिलेगा। विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, निशुल्क आवास, भोजन, किताबें और यूनिफॉर्म जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही छात्राओं को कौशल विकास और खेलकूद के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आलोक कुमार के अनुसार, इस पहल से विशेष रूप से ग्रामीण, गरीब और वंचित परिवारों की बेटियों को आगे की शिक्षा जारी रखने में मदद मिलेगी।

Health Tips: These breakfast items will keep you active, filling, and nourishing throughout the day.

To maintain energy throughout the day, a balanced and nutritious breakfast should be considered. Oats, porridge, eggs, yogurt, fruit, cheese, and whole grains are good choices. Include protein, fiber, and carbohydrates in your breakfast. Additionally, drink plenty of water throughout the day and get a good night's sleep. We generally eat two to three meals a day. Health experts advise everyone to have a hearty breakfast, a light lunch, and a light dinner for optimal health. Starting the morning with a nutritious meal can help you feel good throughout the day. Many people skip breakfast in a hurry or leave the house after just tea and biscuits. This can lead to hunger. However, breakfast alone does not guarantee sustained energy throughout the day. A nutritious diet, along with adequate water, good sleep, and regular physical activity are also essential. Let's explore what breakfast should be like to stay energetic throughout the day. Health experts recommend including protein, fiber, and energy-giving carbohydrates in your morning meal. Eggs, oats, porridge, yogurt, and fruit are also good breakfast options. Let's explore what to eat for breakfast to keep you full longer and provide the body with essential nutrients. Oats and porridge: Eating oats and porridge provides adequate carbohydrates and fiber, which can help energize the body and make you feel full. They can be paired with milk or yogurt, nuts, and a little fruit. Avoid adding too much sugar to enhance the taste. Eat a protein-rich breakfast: eggs, yogurt, cheese, milk, sprouted pulses, and gram flour pancakes are good protein options. Protein is essential for muscle maintenance and many other vital bodily functions. Including protein in breakfast makes for a more balanced meal. Fruits and whole grains: Apples, bananas, guavas, and seasonal fruits provide vitamins, minerals, and fiber. These can be accompanied by whole grain chapatti, brown bread, or poha with vegetables. It's better to eat whole fruits instead of just drinking juice, as they also provide fiber. Drink water and don't skip breakfast: Drinking water in the morning after a night's sleep helps meet the body's fluid needs. Avoid eating too many sweet biscuits and packaged snacks with tea or coffee in the morning. Adjust the size of your breakfast according to your appetite, daily routine, and health. Besides breakfast, keep these things in mind: A nutritious breakfast is essential for a healthy body, but you should also pay attention to your daily routine. Eat on time, get adequate sleep, and develop a habit of regular exercise. If you experience excessive fatigue every day, anemia, thyroid problems, lack of sleep, and other health issues may be responsible. Consult a doctor if you experience persistent fatigue.

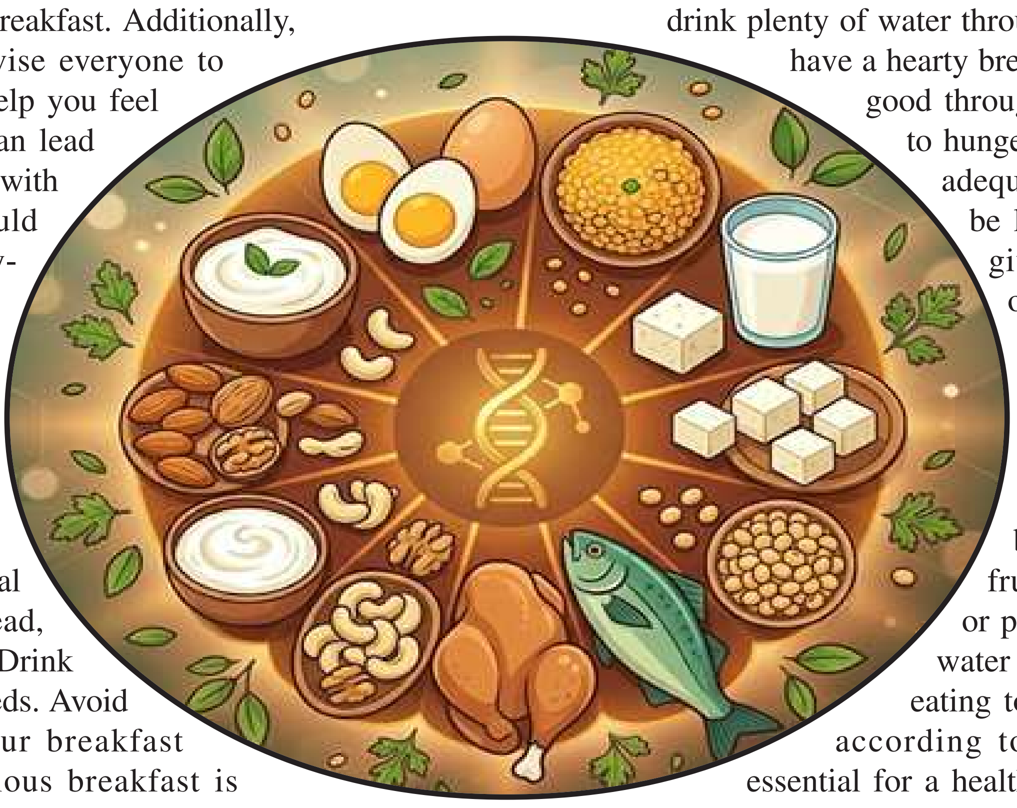

Good news: A major victory in the fight against cancer, the world's first skin cancer vaccine will reduce the risk of death.

Scientists have presented the results of a personalized cancer vaccine trial that could offer significant hope to skin cancer patients. Clinical trials showed that administering it in conjunction with immunotherapy reduced the risk of cancer recurrence or spread. Cancer is one of the leading causes of death globally, killing millions of people each year. According to the World Health Organization (WHO), approximately 10 million people die from cancer worldwide each year, making it one of the leading causes of death globally. When we think of cancer, lung, oral, breast, and cervical cancers are often the first to come to mind. A major fear regarding cancer is the possibility of the disease returning even after treatment. This risk can be particularly serious in aggressive skin cancers like melanoma. But now, scientists have presented the results of a personalized cancer vaccine, raising new hopes for alleviating this fear. Significantly, this vaccine is developed based on the genetic identity of each patient's cancer, enabling the body's immune system to recognize and destroy cancer cells. Clinical trials have shown very positive results. Let's explore this in detail. Relief for Melanoma Cancer Survivors - Melanoma is one of the most dangerous types of skin cancer. A new vaccine may soon bring hope to patients suffering from it. This vaccine is individually tailored to each patient's cancer. Large-scale clinical trials have shown encouraging results. According to the study, administering this vaccine along with immunotherapy reduced the risk of cancer recurrence or spread to other parts of the body by 50%. According to the World Health Organization's (WHO) International Agency for Research on Cancer (IARC), approximately 340 new cases of melanoma are reported worldwide each year, and approximately 60,000 people die from the disease. It is an aggressive type of skin cancer that can rapidly spread to other parts of the body. When the cancer spreads to nearby lymph nodes or distant organs like the lungs, liver, and brain, the situation becomes even more serious for patients. In such cases, only 40 percent of patients survive for five years. To reduce this risk, experts have announced a new vaccine. Learn about the Intismeran vaccine. Researchers working on this vaccine, called Intismeran, say its results could usher in a new era of cancer treatment. The trial found that administering the vaccine along with immunotherapy reduced the risk of melanoma recurrence or spread by 38 percent over two years, compared to patients receiving immunotherapy alone. This is the first personalized cancer vaccine to show positive results in a phase 3 clinical trial. It's important to understand that phase 3 trials are a crucial stage in testing the efficacy and safety of a treatment on a large number of patients. Dr. Catherine Elliott, Research Director at Cancer Research UK, called these results encouraging. She said this could alleviate the worry of cancer recurrence in patients after surgery. Each individual's cancer can be different from another's, making research on tailoring treatments to individual patients' needs crucial. How was the vaccine trial conducted? The results of this study are to be presented at the European Society for Medical Oncology's Cancer Conference. A total of 1,137 patients participated in this trial. All of these patients had their cancer removed through surgery, but doctors feared the disease could return in the future. All patients received the immunotherapy drug pembrolizumab for one year. Immunotherapy is a treatment that helps the body's immune system recognize and attack cancer cells. It's worth noting that immunotherapy plays a crucial role in the treatment of melanoma. However, it doesn't work equally well for every patient. In some cases, cancer cells develop resistance to treatment, evading the drug's effects, potentially reducing the effectiveness of treatment. For this reason, researchers are exploring the possibility of administering a cancer vaccine in conjunction with immunotherapy. In the trial, approximately two-thirds of patients received the Intismeran vaccine along with immunotherapy. The remaining patients received a placebo instead of the actual vaccine. The study found that two years after treatment, patients who received the vaccine had a 42 percent lower risk of cancer recurrence or spread to other organs. However, the vaccine also has some side effects. Approximately six out of every 100 patients experienced treatment-related side effects. These include fever, fatigue, and injection-site reactions. How is the vaccine tailored to a patient's cancer? The most important feature of Intismeran is that it is tailored to the genetic information of each patient's tumor. Every cancer has specific genetic signatures, or changes, that can help identify it. Vaccines are designed using information from a patient's tumor so their immune system can learn to better recognize cancer cells. If cancer cells remain in the body after treatment and begin to grow again, the already developed immune system can help recognize and attack them. This means the vaccine aims not only to cure cancer but also to reduce the risk of recurrence. Professor Alan Melcher of the Institute of Cancer Research, London, said that while this type of vaccine is currently showing promise in the treatment of melanoma, its potential is being explored for other cancers as well. "We are also working on similar approaches for kidney, bladder, and lung cancer. However, it is important to understand which types of cancer this approach will be most effective for, which patients may benefit the most, and which genetic signatures of cancer cells will be most effective to target," he said.

Health Alert: Not just the thumb, increased uric acid can cause pain in these areas as well; how to prevent it

Not everyone experiences pain when uric acid is elevated. However, the accumulation of uric acid crystals in joints can lead to gout. Severe pain, redness, and swelling can occur in the toes, ankles, knees, wrists, and fingers. Proper testing, a balanced diet, and medical advice are essential. High uric acid is a common problem these days. Health experts say that lifestyle and dietary restrictions have significantly increased the risk. While this problem usually occurs with age, children can also be affected. This is why health experts advise everyone to pay special attention to their daily routine. Elevated uric acid levels in the body can cause a variety of problems. Uric acid is formed by the breakdown of a substance called purine. Normally, the kidneys filter it and excrete it through urine. However, when the body produces too much uric acid or the kidneys are unable to excrete it adequately, its levels begin to rise. Let's explore the complications of high uric acid levels and how you can prevent them. Uric acid crystals accumulate in the joints, leading to a condition called gout. This can cause sudden, severe joint pain, swelling, and redness. Pain in the big toe is considered the most common symptom of high uric acid levels. Let's explore other areas of the body that may experience pain due to high uric acid levels and what precautions to take. Sharp pain in the big toe: The most common symptom of gout is sudden, severe pain in the toe joint. Sometimes, the pain begins at night. Additionally, you may experience redness, warmth, and swelling in the joints. Sometimes, even a slight touch to the foot can cause pain. It can be identified by these symptoms. In which other areas can the problem occur? Uric acid problems can also cause many other problems. Uric acid crystals can accumulate in the ankles, knees, and other joints of the legs. This can cause difficulty walking, climbing stairs, or bending the legs. Pain and swelling may also occur. In some people, gout also affects the wrists, fingers, and elbow joints. If the disease persists for a long time, hard lumps called tophi form under the skin. The risk of kidney stones also increases - In a published report, we stated that increased uric acid levels increase the risk of kidney stones along with gout in some people. Impaired kidney function can increase uric acid levels. If uric acid levels in the blood and urine become too acidic (low pH), the uric acid can accumulate in the form of crystals and can also increase the problem of stones. What to do if uric acid levels increase? Uric acid problems can be reduced by improving your diet and lifestyle. The most important thing is to drink plenty of water throughout the day and keep your weight under control. Consuming too much alcohol, sugary drinks, and purine-rich foods like red meat can also exacerbate your problems.

Star's political love: Will Dhanush enter South Indian politics after Vijay? These stars have also shown their political prowess.

South Indian actor Dhanush recently held a meeting with the women's wing of his fan club. This has fueled speculation about his entry into politics. However, Dhanush is not the first South Indian star to enter politics. Several actors have become politicians before. The distance between cinema and power may once again be narrowing in South Indian politics. Following superstar Vijay's election as Chief Minister of Tamil Nadu, rumors are swirling about the political ambitions of another prominent actor. This name is Dhanush, a renowned Tamil actor. His acting has made a name for himself in Tamil cinema, Bollywood, and Hollywood. Recently, Dhanush held a meeting with the women's wing of his fan club in Semmanjeri, on the outskirts of Chennai. Following this meeting, speculation has begun that Dhanush is already preparing for the 2031 Tamil Nadu elections. Furthermore, his posters have begun appearing on the streets of Tamil Nadu. There are also rumors that Dhanush may soon join a political party. However, even if this happens, Dhanush is not the first star to enter politics. There have been many South Indian stars who have transitioned from actor to politician before. NT Rama Rao - Among the most powerful figures from South Indian cinema to enter politics, Telugu film actor Nandamuri Taraka Rama Rao, also known as NT Rama Rao, tops the list. He brought characters like Lord Rama and Lord Krishna to life on screen. His popularity was so immense that he became known to a wide audience, not just as an actor, but as a cultural icon. Then, NTR decided to translate his popularity into politics. On March 29, 1982, he founded the Telugu Desam Party. The central theme of his politics was Telugu identity and the self-respect of the people of Andhra Pradesh. In the 1983 assembly elections, his party challenged the long-standing political dominance of the Congress party and won power. NT Rama Rao became the Chief Minister of Andhra Pradesh. She served as Chief Minister for three separate terms. Jayalalithaa is the most prominent example of an actress-turned-Chief Minister in Tamil Nadu politics. Jayalalithaa worked in Tamil, Telugu, and Kannada films. She was among the most popular actresses of her time. Her political journey began with M.G. Ramachandran, also known as MGR. Jayalalithaa joined the AIADMK in 1982. She later became the party's propaganda secretary and also reached the Rajya Sabha. After MGR's death in 1987, a fierce leadership struggle within the party ensued. Jayalalithaa faced numerous political challenges, but gradually consolidated her hold on the party. In 1991, she became the Chief Minister of Tamil Nadu for the first time. She subsequently held the position of Chief Minister several times, emerging as a highly influential leader in state politics. Jayalalithaa launched numerous welfare schemes aimed at women, the poor, and the underprivileged. Her "Amma"-branded schemes further cemented her political identity. MG Ramachandran - MGR was one of the most popular actors in Tamil cinema. His films portrayed a hero who helped the poor and fought against injustice. This image earned him extraordinary popularity among the public. He initially belonged to the DMK, but later, after disagreements with the party leadership, he formed his own party in 1972, which later became known as the AIADMK. In 1977, MGR became the Chief Minister of Tamil Nadu and remained in power until his death in 1987. His success permanently changed the relationship between cinema and politics in Tamil Nadu. Pawan Kalyan - The political journey of Telugu cinema's power star Pawan Kalyan offers a unique lesson for South Indian film stars. Pawan Kalyan founded the Janasena Party in 2014. However, his political activism predates this. He was associated with his brother Chiranjeevi's Praja Rajyam Party. In the 2019 Andhra Pradesh Assembly elections, Pawan Kalyan contested from two seats but lost both. This was a major setback for his political career. However, he did not give up politics. He then focused on strengthening his party's organization and building political alliances. In the 2024 Assembly elections, the Jana Sena formed an alliance with the Telugu Desam Party and the BJP. In this election, the Jana Sena won all 21 assembly seats it contested. Pawan Kalyan himself was elected MLA from the Pithapuram constituency. Subsequently, he became the Deputy Chief Minister of Andhra Pradesh. Chiranjeevi – Telugu cinema megastar Chiranjeevi also made a big move in politics. In 2008, he founded the Praja Rajyam Party. At that time, it was believed that Chiranjeevi could bring about a major change in Andhra Pradesh politics based on his immense popularity. However, his party won only 18 seats in the 2009 Assembly elections. Chiranjeevi himself won from Tirupati but lost from Palakollu. Subsequently, in 2011, he merged his party with the Congress. He became a Rajya Sabha member and served as Tourism Minister in the UPA government at the Centre. Kamal Haasan - Veteran Tamil cinema actor Kamal Haasan also tried to carve out a niche for himself in politics. On February 21, 2018, he launched the Makkal Needhi Maiam. He founded the YYAM Party. The actor based his political career on issues such as anti-corruption, good governance, education, and administrative reforms. His party contested the 2019 Lok Sabha elections, but failed to win any seats. In the 2021 Tamil Nadu Assembly elections, Kamal Haasan himself contested from the Coimbatore South constituency, but lost narrowly to the BJP's Vanathi Srinivasan. Following this, Haasan pursued political alliances. He supported the DMK-led alliance in the 2024 Lok Sabha elections. He became a Rajya Sabha member in 2025. Prakash Raj - Actor Prakash Raj is one of the prominent figures in South Indian cinema who has openly expressed his political and social views. Prakash Raj has worked in Tamil, Telugu, Kannada, and Hindi films. He has criticized the central government and the BJP's policies on various political issues. In the 2019 Lok Sabha elections, he contested as an independent candidate from the Bengaluru Central constituency in Karnataka. However, he faced defeat. Prakash Raj sought to establish his political activism as an independent political voice rather than as a traditional affiliate of a major party. Rajinikanth – Superstar Rajinikanth has long been a topic of discussion in South Indian politics. His popularity is not limited to Tamil Nadu. He has millions of fans both domestically and abroad. During the 1996 Tamil Nadu Assembly elections, Rajinikanth publicly opposed the then AIADMK government. His statements and political support made headlines at the time. Following this, speculation about his political entry persisted for several years. On December 31, 2017, Rajinikanth announced his entry into politics, but the formal formation of a party was repeatedly delayed. In December 2020, he announced his abandonment of plans to form a political party, citing health concerns and the risks of the COVID-19 pandemic. In 2021, he also dissolved his Rajini Makkal Mandram organization. Vijay- When Tamil cinema superstar C. Joseph Vijay announced his political party, Tamilaga Vetri Kazhagam, on February 2, 2024, questions were raised about whether his popularity would translate into votes. Before entering politics, Vijay had long engaged his fan organizations in social activities. His Vijay Makkal Iyakkam organization was active in causes such as education, public welfare, and social assistance. After his formal entry into politics, Vijay presented his party as a new political alternative in Tamil Nadu. In the 2026 assembly elections, his party, TVK, won 108 seats in the 234-member assembly, becoming the largest party. However, it fell short of the 118 seats required for a majority on its own. Subsequently, a government was formed with the support of the Congress and other allies, and Vijay became the Chief Minister of Tamil Nadu on May 10, 2026.

Salman Khan: Bhaijaan did not attend the launch event of his dream project, sent a video message

Salman Khan announced a luxury residential project in Punjab. However, when the launch event took place, the Dabangg Khan was unable to attend. The actor kept himself away from the launch event, but did send a video message. Salman Khan has launched a residential project in Punjab. The launch event for this luxury project, called "SK Towers," was held, but Salman did not attend. Salman has signed a contract with GB Realty and Jacob & Company for this dream project. The project is also named "SK Towers" after Salman Khan. However, he himself was not a part of the launch event. What did Salman say in the video message? - Salman Khan did not attend the launch event for "SK Towers." Instead, he sent a video message. According to media reports, Salman did not attend the event due to threats from the Lawrence Bishnoi gang and security concerns. According to a report in the Times of India, Salman Khan was unable to attend the launch event, but he sent a video message for the occasion. He said, "Due to some important reasons, I couldn't come tonight, but even though I'm not physically present, my heart, my soul, and my best wishes are with you." Six towers and an investment of so many crores - The project was announced through an advertisement in which the actor collaborated with luxury watch and jewelry brand Jacob & Co. and real estate firm GB Realty. This project, named after Salman Khan, will have six towers and involve an investment of approximately ?2,500 crore. A high-rise development is being promoted in Salman's name within this luxury residential project. Was the distance maintained due to threats from the Bishnoi gang? One reason for Salman Khan's absence from the project's launch event is being cited as threats from the Bishnoi gang. According to media reports, Salman is not attending this event due to threats from the Lawrence Bishnoi gang. It should be noted that actor Tiger Shroff was recently shot in Mumbai, narrowly escaping. The investigation also revealed that an attack on Salman Khan was originally planned, but this was prevented due to tight security. On the work front, Salman is currently shooting for "Monster," which also stars Nayanthara. He is also garnering attention for his film "Matrubhoomi."